दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ सच...

अटल बिहारी वाजपेयी जयंती की शुभकामनाएं

● नई दिल्ली। गुरुवार 25 दिसम्बर -2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 366 पेज -08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

दिल्ली-एनसीआर को मोदी सरकार का न्यू ईयर गिफ्ट

मेट्रो का होगा विस्तार, 13 नए स्टेशन बनेंगे

नई दिल्ली। नए साल से पहले केंद्र की मोदी सरकार ने दिल्ली-एनसीआर के निवासियों, विशेषकर सरकारी कर्मचारियों और दैनिक यात्रियों को एक बड़ी सौगात दी है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में दिल्ली मेट्रो के चरण-4(ए) के विस्तार को मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग में इस ऐतिहासिक फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि इस नई परियोजना पर करीब 12,015 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

400 किमी के पार होगा नेटवर्क : इस विस्तार के साथ ही दिल्ली मेट्रो का जाल अब 400 किलोमीटर के आंकड़े को पार कर जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत के पास अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है। यह विस्तार दिल्ली की लाइफलाइन को और भी सशक्त बनाएगा।

परियोजना की मुख्य बातें : कुल बजटः 12,015 करोड़ रुपए। लंबाईः 16 किलोमीटर का नया कॉरिडोर। स्टेशनों की संख्याः कुल 13 नए स्टेशन (10 भूमिगत और 3 एलिवेटेड)। समय सीमाः प्रोजेक्ट को 3 साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य

क्या होगा लाभ : इस परियोजना का सबसे बड़ा पर्यावरण को लाभ होगा। सरकार के मुताबिक इससे सालाना 33,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। इससे कर्तव्य भवन और केंद्रीय कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा।

दरअसल, इस फेज की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कॉरिडोर कर्तव्य भवन (सेंट्रल विस्टा क्षेत्र) को मेट्रो नेटवर्क से सीधे जोड़ेगा।

दिल्ली-एनसीआर में सांसों पर संकट बरकरार

खतरनाक स्तर पर एक्यूआई, बेहद खराब श्रेणी में हवा

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की धीमी गति और खराब मौसम की स्थिति ने दिल्ली को गैस चैंबर बना दिया है। बुधवार सुबह हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इससे पहले मंगलवार को हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। आज फिर सुबह की शुरूआत धुंध और कोहरे की मोटी परत से हुई, साथ ही स्मॉग की परत भी दिखाई दी। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, बुधवार सुबह राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 355 दर्ज किया गया है। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह आठ बजे के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 333, आनंद विहार में एक्यूआई 374, अशोक विहार में 362, आया नगर में 271, बवाना में 352, बुराड़ी में 320, चांदनी चौक इलाके में 382 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

वहीं, डीटीयू में 361, द्वारका सेक्टर 8 इलाके में 371, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 इलाके में 273, जहांगीरपुरी में 373, लोधी रोड 330, मुंडका 378, पंजाबी बाग में 366, आरकेपुरम 366, रोहिणी 367, सोनिया विहार 352, विवेक विहार 373, वजीरपुर में 368 दर्ज किया गया है।

क्यों बिगड़ती जा रही दिल्ली की हवा? : विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बनी हुई गंभीर वायु गुणवत्ता का मुख्य कारण मौसम का मिजाज है। स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत के अनुसार, तापमान में कमी के कारण प्रदूषण के स्तर में भारी वृद्धि हुई है और पश्चिमी विक्षोभ के चलते मंगलवार को भी वायु गुणवत्ता जो नीचे फंसी हुई ठंडी हवा को ऊपर उठने नहीं देती है। इसी ठंडी हवा में गाड़ियों का धुआं और निर्माण की धूल जैसे प्रदूषक जमा हो जाते हैं। प्रदूषकों को ऊपर जाने का रास्ता नहीं मिलता, इसलिए वे जमीन के बहुत करीब फंसे रहते हैं। बारिश जब नहीं होती और हवा भी धीरे चलती शेष, पृष्ठ 2

एयर प्यूरीफायर पर टैक्स छूट न मिलने पर हाईकोर्ट नाराज, अदालत ने इसे इमरजेंसी स्थिति करार दिया

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता और 'बहुत खराब' श्रेणी में बने रहने वाले एयर क्वालिटी इंडेक्स को देखते हुए केंद्र सरकार पर नाराजगी जताई। अदालत ने सवाल करते हुए पूछा कि जब सरकार लोगों को साफ हवा उपलब्ध नहीं करा पा रही है, तो कम से कम एयर प्यूरीफायर पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी में छूट या कमी क्यों नहीं की जा रही है? चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने सरकारी वकील से इस मुद्दे पर तुरंत शेष, पृष्ठ 2

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर विशेष

अटल बिहारी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। उनके पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी एक कवि और विद्यालय के शिक्षक थे, जिनसे अटल जी को कविता और साहित्य विरासत में मिले। उनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर में हुई और बाद में उन्होंने कानपुर से राजनीति विज्ञान में परास्नातक किया।

अटल जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विरोध और भारतीय जनसंघ की स्थापना के साथ की। वे 1957 में पहली बार बलरामपुर से लोकसभा के लिए चुने गए। उनकी प्रखर वक्तृत्व कला (बोलने की शक्ति) से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भविष्यवाणी की थी कि 'यह युवक एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनेगा।' अटल बिहारी वाजपेयी तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने। अटल जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक उच्च कोटि के कवि और पत्रकार भी थे। उनकी रचनाएं जैसे 'मेरी इक्यावन कविताएं' उनके संवेदनशील व्यक्तित्व को दर्शाती हैं। 'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा' जैसी पंक्तियां आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती हैं।

राष्ट्रहित सर्वोपरि : कारगिल की दृढ़ता से संवाद की कुशलता तक अटल यात्रा : सांसद अतुल गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अटल बिहारी वाजपेयी उन दुर्लभ नेताओं में थे, जिनकी स्वीकार्यता विचारधाराओं से परे थी। वे कहते थे–राष्ट्र पहले, बाकी सब बाद में। यही सोच उनके हर निर्णय में झलकती थी। कारगिल युद्ध के समय उनका नेतृत्व धैर्य और दृढ़ता का प्रतीक बना। विदेश नीति में उन्होंने संवाद का रास्ता चुना, चाहे वह बस यात्रा हो या शांति प्रयास। आज के राजनीतिक वातावरण में अटल जी की शैली और सोच की कमी स्पष्ट महसूस होती है। उनकी जयंती हमें याद दिलाती है कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, नैतिक बल से चलता है।

राजनीति के अजातशत्रु : सत्ता के शोर में अटल मर्यादा और संवाद की विरासत : सतेन्द्र शिशौदिया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारतीय राजनीति में यदि किसी नाम ने विचार और संवेदना को एक साथ साधा, तो वह अटल बिहारी वाजपेयी थे। सत्ता उनके लिए साध्य नहीं, साधन थी। वे विपक्ष में भी उतने ही प्रभावी रहे जितने सत्ता में। संसद में उनके शब्द केवल भाषण नहीं, संवाद होते थे। अटल जी का नेतृत्व सहमति, संवाद और संयम पर आधारित था। पोखरण परीक्षण हो या आर्थिक सुधार, उन्होंने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा। आज जब राजनीति में कटुता बढ़ रही है, अटल जी का व्यक्तित्व हमें मर्यादा की याद दिलाता है। उनकी जयंती केवल स्मरण नहीं, आत्ममंथन का अवसर है।

अटल जी के सपनों को साकार करता आधुनिक भारत : मयंक गोयल

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतीय राजनीति के युगपुरुष स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती के पावन अवसर पर उन्हें शत-शत नमन। अटल जी न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि वे विचार, संवेदना और राष्ट्रनिर्माण की समग्र दृष्टि के प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन और कार्यों से भारत को एक सशक्त, स्वाभिमानी और विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा। अटल बिहारी वाजपेयी जी का सपना था–ऐसा भारत जो आर्थिक रूप से मजबूत, सामरिक रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से समरस और वैश्विक मंच पर सम्मानित हो। उनके कार्यकाल में पोखरण परमाणु परीक्षण, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, ग्रामीण सड़कों का विस्तार और विदेश नीति में संतुलन जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए, जिन्होंने देश की दिशा और दशा को नई गति दी।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत, अटल जी के इन्हीं सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की है। धारा 370 की समाप्ति, तीन तलाक कानून, सीएए जैसे निर्णय राष्ट्रीय एकता और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत की बढ़ती भूमिका और सीमा सुरक्षा को लेकर कठोर रुख–ये सभी अटल जी के ह्लमजबूत भारतह्व के स्वप्न को साकार करते हैं। गरीब कल्याण, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुँचाया जा रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती हमें उनके आदर्शों, मूल्यों और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश, अटल जी के सपनों को पूर्ण करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है–यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

अटल जन्म शताब्दी पर भाजपा गाजियाबाद का स्वच्छता अभियान और दीपोत्सव

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर हुए कार्यक्रम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, गाज़ियाबाद महानगर द्वारा बुधवार को विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता अभियान एवं दीपोत्सव प्रमुख रहे, जिनमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा शहर के नागरिकों ने सहभागिता की। प्रातः 9:30 बजे महानगर कार्यालय नेहरू नगर, अटल चौक, वसुंधरा, अटल प्रतिमा स्थल शालीमार गार्डन सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और अटल बिहारी वाजपेयी के स्वच्छ, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया। सायं 5:00 बजे विभिन्न स्थलों पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, विस्तृत खबर, पृष्ठ 8

जन्म 02/01/1949 -मृत्यु 16/12/2025 | जन्म 05/07/1987 -मृत्यु 16/12/2025

शोक सभा एवं शांति पाठ (तेरहवीं)

आपको बड़े दुःख के साथ अवगत कराना पड़ रहा है कि मेरे

पिताश्री स्व. लक्ष्मी नारायण एवं धर्मपत्नी स्व.गरिमा नारायण

16 दिसंबर 2025 दिन मंगलवार को प्रभु के चरणों में लीन हो गए हैं। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। उनकी आत्मा की शांति के लिए शोक सभा एवं शांति पाठ (तेरहवीं) है।

कार्यक्रम

सोमवार, 29 दिसम्बर 2025

शोक सभा/रस्म पगड़ी..2.00 बजे दोपहर

स्थान : इम्पीरियल गार्डन एवं रिसोर्ट
हापुड़ रोड, गाजियाबाद

शोकाकुल परिवार
गौरव शशि नारायण
(वरिष्ठ पत्रकार दैनिक करंट क्राइम, गाजियाबाद)
अभिप्राय

इसरो ने लॉन्च किया दुनिया का सबसे भारी सैटेलाइट एलवीएम-3

श्रीहरिकोटा। इसरो का 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम-3 अमेरिकी सेटेलाइट ब्लूबर्ड- ब्लॉक-2 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हो गया है। इसरो ने सतीश धवन स्पेस सेंटर से इस मिशन को लॉन्च किया है। बाहुबली एलवीएम3 ब्लूबर्ड 2 को लेकर अंतरिक्ष में उड़ान भर चुका है।

90 सेकेंड की देरी से भरी उड़ान : यह मिशन 8:54 बजे लॉन्च होने वाला था, लेकिन अब यह 90 सेकेंड की देरी से उड़ान भरी है। इसरो ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि बाहुबली रॉकेट के उड़ान पथ पर मलबा होने या अन्य उपग्रहों के साथ टकराव होने की संभावना थी, इसके चलते उड़ान में देरी हुई है।

एलवीएम3 भारत का सबसे शक्तिशाली रॉकेट 3 लांच व्हीकल मार्क3 (एलवीएम3) भारत का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इसलिए इस रॉकेट को बाहुबली रॉकेट भी कहते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की योजना के अनुसार बुधवार को श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 8:54 बजे एलवीएम-3 एम6 राकेट नई पीढ़ी के अमेरिकी संचार सेटेलाइट ब्लूबर्ड- ब्लाक-2 के साथ अंतरिक्ष के सफर पर रवाना होगा। यह एलवीएम3 की छठी परिचालन उड़ान होगी।

लांचिंग के लगभग 15 मिनट बाद ब्लूबर्ड ब्लाक-2 के राकेट से अलग होने की उम्मीद है इसरो ने कहा कि 6,100 किलोग्राम वजनी यह सेटेलाइट एलवीएम3 राकेट से लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी पेलोड होगा। इससे पहले सबसे भारी पेलोड एलवीएम-3-एम5 संचार उपग्रह सीएमएस-03 था। इसे इसरो ने दो नवंबर को लांच किया था।

ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 की लांचिंग इसरो की कमर्शियल शाखा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआइएल) के जरिये की जाएगी। इसके लिए अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस, एलएलसी) ने एनएसआइएल के साथ करार किया था।

मोबाइल नेटवर्क तकनीक बदल जाएगी : यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) (आईएसआरओ की वाणिज्यिक शाखा) और अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस, एलएलसी) के बीच एक वाणिज्यिक समझौते के तहत संचालित किया जा रहा है। इस उपग्रह को विश्वभर में स्मार्टफोन को सीधे हाई-स्पीड सेलुलर ब्रॉडबैंड प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए वैश्विक एलईओ तारामंडल का हिस्सा बन जाता है।

एएसटी स्पेसमोबाइल अंतरिक्ष आधारित पहला सेलुलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित कर रहा है, जो स्मार्टफोन को वाणिज्यिक और सरकारी दोनों उद्देश्यों के लिए सीधे उपग्रहों से जुड़ने की सुविधा देगा।

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन

मुख्यमंत्री योगी बोले- 'बांग्लादेश में हिंदू की हत्या पर चुप हैं गाजा पर आंसू बहाने वाले'

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन जनप्रतिनिधियों ने अलग-अलग मुद्दे सदन में उठाए जिसका सत्ता पक्ष ने जवाब दिया। सदन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय व नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट पर अपना पक्ष रखा।

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि तुष्टिकरण की नीति के कारण ही पाकिस्तान और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। बांग्लादेश में एक दलित हिंदू को पीटकर मार दिया गया लेकिन जो लोग गाजा पट्टी पर आंसू बहाते थे उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला क्योंकि उन लोगों के लिए दलित, किसान और महिलाएं सब एक वोट बैंक हैं। तुष्टिकरण की नीति के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ है। अगर विभाजन न होता तो हिंदुओं पर अत्याचार न होता। जब हम लोग बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का निकालेंगे तो यही लोग आंसू बहाएंगे क्योंकि इनमें से कई तो इन लोगों के वोटबैंक होंगे।

हमने सरकारी योजनाओं की लूट को रोका : मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर हमला करते हुए कहा कि हमने योजनाओं में जो लूट थी उसे रोका। सपा के लोग इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं। बड़े-बड़े दावे करते हैं। जेपीएनआईसी पौने दो सौ करोड़ का प्रोजेक्ट था 860 करोड़ खर्च हो जाने के बाद भी अधूरा है। गोमती रिवर फ्रंट 167 करोड़ का प्रोजेक्ट था 1400 करोड़ खर्च हो गए तब भी अधूरा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के सिविल वर्क के लिए 15 हजार 200 करोड़ रुपये तय किए गए थे हमने वहीं एक्सप्रेस वे 11 हजार 400 करोड़ रुपये में पूरा करके दिखा दिया। यही सपा के समय इंफ्रास्ट्रक्चर की सच्चाई है।

हमने प्रदेश को बीमारू राज्य के कलंक से मुक्त कराया है : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने कानून व्यवस्था में सुधार किया है। यही कारण है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। आज निवेशक प्रदेश में आने के लिए तैयार हैं। प्रदेश में अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। हमें खुशी है कि हमने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्यों की सूची से बाहर निकाला है।

आज प्रदेश में व्यापारियों से गुंडा टैक्स नहीं लिया जाता है। आज अगर कोई गुंडा किसी बेटी को छेड़ता है तो वो जानता है कि जल्द ही यमराज का बुलावा आ जाएगा।

हमारी सरकार में किए गए आर्थिक सुधारों के कारण ही आज यूपी देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है।

हमने भर्तियों को पारदर्शी बनाया है : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ जितना सपा ने किया उतना किसी ने नहीं किया।

दिल्ली-एनसीआर में सांसों पर संकट बरकरार

खतरनाक स्तर पर एक्यूआई, बेहद खराब श्रेणी में हवा

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की धीमी गति और खराब मौसम की स्थिति ने दिल्ली को गैस चैंबर बना दिया है। बुधवार सुबह हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इससे पहले मंगलवार को हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। आज फिर सुबह की शुरूआत धुंध और कोहरे की मोटी परत से हुई, साथ ही स्मॉग की परत भी दिखाई दी। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, बुधवार सुबह राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 355 दर्ज किया गया है। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह आठ बजे के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 333, आनंद विहार में एक्यूआई 374, अशोक विहार में 362, आया नगर में 271, बवाना में 352, बुराड़ी में 320, चांदनी चौक इलाके में 382 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

वहीं, डीटीयू में 361, द्वारका सेक्टर 8 इलाके में 371, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 इलाके में 273, जहांगीरपुरी में 373, लोधी रोड 330, मुंडका 378, पंजाबी बाग में 366, आरकेपुरम 366, रोहिणी 367, सोनिया विहार 352, विवेक विहार 373, वजीरपुर में 368 दर्ज किया गया है।

क्यों बिगड़ती जा रही दिल्ली की हवा? : विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बनी हुई गंभीर वायु गुणवत्ता का मुख्य कारण मौसम का मिजाज है। स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत के अनुसार, तापमान में कमी के कारण प्रदूषण के स्तर में भारी वृद्धि हुई है और पश्चिमी विक्षोभ के चलते मंगलवार को भी वायु गुणवत्ता जो नीचे फंसी हुई ठंडी हवा को ऊपर उठने नहीं देती है। इसी ठंडी हवा में गाड़ियों का धुआं और निर्माण की धूल जैसे प्रदूषक जमा हो जाते हैं। प्रदूषकों को ऊपर जाने का रास्ता नहीं मिलता, इसलिए वे जमीन के बहुत करीब फंसे रहते हैं। बारिश जब नहीं होती और हवा भी धीरे चलती है तो फंसा हुआ प्रदूषण बाहर नहीं निकल पाता, जिससे स्थिति कई गुना खराब हो जाती है।

क्या दशार्ता है वायु गुणवत्ता सूचकांक : यदि हवा साफ है तो उसे इंडेक्स में 0 से 50 के बीच दशार्या जाता है। वायु गुणवत्ता के संतोषजनक होने की स्थिति तब होती है जब सूचकांक 51 से 100 के बीच होती है। 101-200 का मतलब वायु प्रदूषण का स्तर मध्यम श्रेणी का है, जबकि 201 से 300 की बीच की स्थिति वायु गुणवत्ता की खराब और 301 से 400 के बीच का अर्थ वायु गुणवत्ता की बेहद खराब श्रेणी को दशार्ता है। 401 से 500 की श्रेणी में वायु की गुणवत्ता गंभीर बन जाती है। ऐसी स्थिति में इंसान की सेहत को नुकसान पहुंचता है। पहले से ही बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए यह जानलेवा है।

एयर प्यूरीफायर पर टैक्स छूट न मिलने पर हाईकोर्ट नाराज, अदालत ने इसे इमरजेंसी स्थिति करार दिया

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता और 'बहुत खराब' श्रेणी में बने रहने वाले एयर क्वालिटी इंडेक्स को देखते हुए केंद्र सरकार पर नाराजगी जताई। अदालत ने सवाल करते हुए पूछा कि जब सरकार लोगों को साफ हवा उपलब्ध नहीं करा पा रही है, तो कम से कम एयर प्यूरीफायर पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी में छूट या कमी क्यों नहीं की जा रही है? चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने सरकारी वकील से इस मुद्दे पर तुरंत निर्देश लेकर दोपहर 2:30 बजे तक अदालत को सूचित करने के लिए कहा है। अदालत ने इसे इमरजेंसी स्थिति करार देते हुए टिप्पणी की कि हर व्यक्ति दिन में लगभग 21,000 बार सांस लेता है और प्रदूषित हवा से होने वाले नुकसान की कल्पना कीजिए। यह सुनवाई अधिवक्ता कपिल मदन द्वारा दायर जनहित याचिका पर हो रही है, जिसमें मांग की गई है कि एयर प्यूरीफायर को 'मेडिकल डिवाइस' के रूप में वर्गीकृत किया जाए। इससे इन पर लगने वाला जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर मात्र 5 प्रतिशत किया जा सकता है।

अब रफ्तार पर लगेगी ब्रेक

बस चलाने से पहले सभी ड्राइवरों का होगा 'शराब टेस्ट'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शरद ऋतु और ठंड के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद में प्रदेश में बस यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत कोहरे और दृश्यता में कमी जैसी परिस्थितियों में बसों का संचालन अत्यंत सावधानी से किये जाने, रात्रिकालीन सेवाओं को आवश्यकता अनुसार सीमित करने और यात्रियों को सुरक्षा उपायों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

कोहरे में गाड़ी की रफ्तार 40किमी प्रति घंटा रहेगी

कोहरे में बसों की गति 40 किमी प्रति घंटा से अधिक न हो : उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने परिवहन निगम एवं संबंधित अधिकारियों को शरद ऋतु/ठंड के मौसम में बसों के सुरक्षित एवं नियंत्रित संचालन को लेकर विस्तृत आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि कोहरे और दृश्यता में कमी जैसी परिस्थितियों में बसों का संचालन अत्यंत सावधानी से किया जाना आवश्यक है और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा मुहैया कराना प्रदेश सरकार का दायित्व है।

परिवहन मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि कोहरे की स्थिति में बसों की गति 40 किमी प्रति घंटा से अधिक न हो, जबकि अत्यधिक कोहरे में बस को किसी सुरक्षित स्थान पर रोककर विजिबिलिटी सामान्य होने पर ही आगे संचालन किया जाए। बस अड्डों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम से लगातार एनाउंसमेंट कर यात्रियों को सुरक्षा उपायों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अनुभवी चालकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए : उन्होंने कहा कि घने कोहरे वाले मार्गों पर रात्रिकालीन सेवाओं को आवश्यकता अनुसार सीमित किया जाए तथा रात्रि सेवाओं में अनुभवी, दुर्घटना-रहित और अच्छे ईंधन रिकॉर्ड वाले चालकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि रात्रि सेवा पर जाने से पूर्व चालक को कम से कम 8 घंटे का विश्राम प्राप्त हुआ हो।

दिल्ली में डेंगू के दो और मरीजों की मौत, स्वास्थ्य विभाग चिंतित

एमसीडी का कहना है कि डेंगू नियंत्रण के लिए फॉगिंग, लार्वा रोधी अभियान, घर-घर सर्वे और जलभराव रोकने की कार्रवाई लगातार जारी है।

दिल्ली। राजधानी में डेंगू का प्रकोप इस वर्ष भले ही पिछले वर्षों की तुलना में कम रहा हो लेकिन मौतों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। एमसीडी ने डेंगू से दो और मौतों की पुष्टि की है। इसके साथ ही 2025 में डेंगू से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

एमसीडी के मुताबिक, इस वर्ष अब तक 1469 डेंगू के मामले सामने आए हैं।

हालांकि, यह संख्या 2024 में दर्ज 6,391, 2023 के 9,266, 2022 के 4,469 और 2021 के 9,613 मामलों के मुकाबले काफी कम है। अधिकारियों का कहना है कि

अधिकांश मौतों के मामलों में मरीजों की स्थिति पहले से गंभीर थी। आंकड़ों पर नजर डालें तो 2025 में अब तक चार मौतें दर्ज हुई हैं, जबकि 2024 में डेंगू से 11, 2023 में 19, 2022 में नौ और 2021 में 23 लोगों की मौत हुई थी। इस तरह मामलों में कमी के बावजूद जानलेवा असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

एमसीडी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में 20 दिसंबर तक 1305 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं।

इनमें सबसे अधिक मामले सेंट्रल जोन (163) में सामने आए हैं। एमसीडी क्षेत्रों के अलावा एनडीएमसी, दिल्ली कैंट और रेलवे क्षेत्रों में भी डेंगू के मामले सामने आए हैं।

इन सभी एजेंसियों को मिलाकर दिल्ली में डेंगू के मामलों की संख्या 1469 तक पहुंच गई है। एमसीडी का कहना है कि डेंगू नियंत्रण के लिए फॉगिंग, लार्वा रोधी अभियान, घर-घर सर्वे और जलभराव रोकने की कार्रवाई लगातार जारी है।

हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी को पेशी पर ले जा रही पुलिस की गाड़ी पर हमला, बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग

लक्सर (रुड़की)। पश्चिमी यूपी के हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी को कोर्ट में पेशी के लिए ले जा रही पुलिस की गाड़ी पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हमले में विनय त्यागी को भी गोली लगी है। उसे गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है।

वाहन में मौजूद दो पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। वारदात को अंजाम देकर नकाबपोश बदमाश भीड़ के बीच हथियार लहराते हुए फरार हो गए। फायरिंग की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। चारों तरफ नाकाबंदी कर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

वारदात बुधवार की दोपहर करीब एक बजे लक्सर-हरिद्वार हाईवे पर ओवर ब्रिज की है। रुड़की कारागार में बंद मेरठ निवासी कुख्यात बदमाश विनय त्यागी की धोखाधड़ी के एक मामले में लक्सर एसीजेएम कोर्ट में पेशी थी। कारागार से चालक सहित छह पुलिसकर्मी सरकारी टाटा सूमो वाहन में उसे पेशी पर लक्सर लेकर आ रहे थे। इस दौरान जब वह फ्लाई ओवर के मध्य पहुंचे तो यहां जाम के दौरान सामने वाहन होने के कारण उन्हें वाहन को रोकना पड़ा। इसी दौरान यहां पहले से घात लगाकर मौजूद दो बाइक पर सवार नकाबपोश बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर अंधाधुन गोलियां बरसा दी।

वाहन में मौजूद विनय त्यागी को तीन गोलियां लगी, वह वाहन में ही गिर गया जबकि पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे। हालांकि दो पुलिसकर्मियों को चोट आई। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता बदमाश भीड़ के बीच हथियार लहराते हुए मौके से भाग निकले। घायल अवस्था में विनय त्यागी को लक्सर सीएचसी ले जाया गया।

वारदात की सूचना पर एसपी देहात शेखर चंद सुयाल, सीओ नताशा सिंह, कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण, मंगलौर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह, खानपुर एसओ धर्मेंद्र राठी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद कड़ी सुरक्षा में घायल बदमाश को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

केरल में एसआईआर के लिए आयोग ने ऑब्जर्वर नियुक्त किए

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने बुधवार को बताया कि वर्ष 2026 के लिए चुनावी रोल के 'विशेष गहन संशोधन' (एसआईआर) को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए राज्य के सभी 14 जिलों हेतु चार वरिष्ठ चुनावी रोल ऑब्जर्वर (ईआरओ) नियुक्त किए गए हैं। इन नियुक्तियों का उद्देश्य मतदाता सूची में शुद्धता सुनिश्चित करना और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकना है।

उन्होंने यहां एक बयान में कहा कि वरिष्ठ नौकरशाह एम जी राजामणिक्यम, के बीजू, टिंकू बिस्वाल और के वासुकी को चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन संशोधन के लिए ईआरओ के रूप में नियुक्त किया गया है। मामले में राजामणिक्यम को कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड का काम सौंपा गया है, जबकि बीजू त्रिशूर, पलक्कड़ और मलप्पुरम के प्रभारी हैं। बिस्वाल कोट्टायम, इडुक्की और एनार्कुलम के ऑब्जर्वर होंगे और वासुकी को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पठानमथिट्टा और अलाप्पुझा का काम सौंपा गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, ईआरओ संशोधन प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों के दौरान अपने-अपने जिलों का तीन बार दौरा करेंगे। बयान में कहा गया है कि पहली यात्रा नोटिस अवधि के दौरान होगी।

असम में हाथियों की मौत के बाद एक्शन में रेलवे प्रशासन, ट्रैक पर एआई पहरेदार

नई दिल्ली। असम में राजधानी एक्सप्रेस हादसे के बाद भारतीय रेलवे अलर्ट मोड में आ गया है। ट्रैक पर बार-बार हो रही वन्यजीवों की मौतों को गंभीरता से लेते हुए रेलवे ने सुरक्षा इंतजामों को तकनीक के सहारे मजबूत करने जा रहा है। रेलवे ने तय किया है कि हाथी, शेर और बाघ जैसे बड़े जानवरों की मौजूदगी पहले ही पहचानने के लिए ट्रैक पर एआई आधारित सिस्टम लगाया जाएगा। इसका उद्देश्य समय रहते ट्रेन को रोकना और जानवरों के साथ-साथ यात्रियों की जान बचाना है।

ट्रेन का इंजन और पांच कोच पटरी से उतरे : कुछ दिनों पहले असम के होजाई जिले में सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से सात हाथियों की जान चली गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब हाथियों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेन का इंजन और पांच कोच पटरी से उतर गए। एक हाथी गंभीर रूप से घायल हुआ, जबकि बाकी की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, ट्रेन में सवार यात्रियों को कोई चोट नहीं आई, लेकिन इस घटना ने रेलवे और वन विभाग दोनों को गहरी चिंता में डाल दिया।

एआई डिस्ट्रिब्यूटेड एकॉस्टिक सिस्टम तकनीक पर काम करता है : रेलवे के अनुसार, ट्रैक पर अब एआई आधारित इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम लगाया जा रहा है, जो डिस्ट्रिब्यूटेड एकॉस्टिक सिस्टम तकनीक पर काम करता है। यह सिस्टम ट्रैक के आसपास होने वाली हलचल और कंपन को पकड़कर समय रहते यह संकेत देता है कि कोई बड़ा जानवर नजदीक आ रहा है।

रेलवे ने इसे देशभर में लागू करने का फैसला किया है : फिलहाल यह तकनीक नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के 141 किलोमीटर लंबे हिस्से में लगाई गई है, जहां हाथियों के ट्रेन से टकराने की घटनाएं ज्यादा सामने आई हैं। शुरूआती नतीजे सकारात्मक मिलने के बाद रेलवे ने इसे देशभर में लागू करने का फैसला किया है और इसके लिए 981 किलोमीटर नए ट्रैक पर सिस्टम लगाने के टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
क्रिसमस की शुभकामनाएं
.दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ सच...

निगम की बोर्ड बैठक से रह गयी है अब पार्षदों को तय करनी कितनी दूरी

जनवरी में निगम की बोर्ड बैठक कराना होगी संवैधानिक मजबूरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। निगम का सदन एक तरह से शहरी सरकार कहा जाता है। जिस तरह से जिला प्रशासन को जिला सरकार की संज्ञा दी जाती है। उसी तरह से नगर निगम भी जनता का सदन है। यहां नगर निगम के 100 वार्डों से चुनकर आये वो पार्षद हैं जिन्हें जनता ने जनादेश दिया है। जिला पंचायत में तो अध्यक्ष का पद जिला पंचायत सदस्यों के वोट से आता है। लेकिन नगर निगम में मेयर की कुर्सी भी जनता तय करती है। जब मौहल्ले के प्रधान से लेकर मेयर तक जनता ने चुने हैं तो फिर ये जनप्रतिनिधि जनता के प्रतिनिधि हैं। ये जनता के प्रति जवाबदेय हैं, और इन जनप्रतिनिधियों की आवाज ही 100 वार्ड़ों की आवाज है। नगर निगम में 30 जून के बाद से कोई बोर्ड बैठक नहीं हुई है। अगर संवैधानिक रूप से देखें तो हर महीने कार्यकारिणी की बैठक होनी जरूरी है और हर दो महीने बाद निगम की बोर्ड बैठक होनी जरूरी है। लेकिन पार्षदों का इंतजार बढ़ रहा है और निगम की बोर्ड बैठक भी कोर्ट के अंदाज में तारीख पर तारीख ले रही है। हाउस टैक्स का मामला अलग से है और यहां सबसे बड़ी बात ये है कि बजट के कई प्रस्तावों पर मोहर लगनी है और कार्यकारिणी में इन प्रस्तावों पर मोहर लग चुकी है। निगम की बोर्ड बैठक में ये प्रस्ताव रखे जाने हैं। पार्षद इंतजार कर रहे हैं कि निगम की बोर्ड बैठक होगी और हम अपने अपने वार्ड की बात रखेंगे। वहीं निगम के सूत्र बताते हैं कि कोर्ट की डेट तो समझ में आती है लेकिन निगम की बोर्ड बैठक क्यों लेट हो रही है ये समझ में नहीं आती है। निगम के सूत्र बताते हैं कि बोर्ड बैठक से निगम के सदन की दूरी अब ज्यादा नहीं रह गयी है और बोर्ड बैठक बुलाना अब एक मजबूरी होगी। क्योंकि कार्यकारिणी की बैठक हो चुकी है और निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष का चुनाव भी हो चुका है। ऐसे में निगम की बोर्ड बैठक होनी है और इस बात की प्रबल संभावना जताई जा रही है कि जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में ये बोर्ड बैठक हो सकती है। सूत्र ये भी बता रहे हैं कि नगर निगम के सदन की बोर्ड बैठक कराना एक मजबूरी भी है क्योंकि इसकी समय सीमा पार हो रही है। मार्च से पहले बजट पास होना जरूरी है। इसलिए यहां पर ये माना जा रहा है कि जनवरी के प्रथम सप्ताह में नगर निगम की बोर्ड बैठक बुलाई जा सकती है।

एक तरफ कोर्ट केस और दूसरी तरफ करना है पार्षदों को भी फेस

करंट क्राइम। नगर निगम अधिकारियों ने हाउस टैक्स की बढोत्तरी कर दी। उन्हें यहां उम्मीद थी कि भाजपा पार्षद इसका विरोध नहीं करेंगे और विपक्षी पार्षदों की संख्या इतनी नहीं है कि वो विरोध कर इस प्रस्ताव को वापस लौटा दें। लेकिन सबसे बड़ा धमाका ही भाजपा की ओर से हुआ। भाजपा के पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया और हाउस टैक्स कम कराने की बात कही। इसके बाद 30 जून को बोर्ड बैठक हुई और इस बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव सर्वसम्मति से निरस्त हो गया। मामला कोर्ट में चला गया, पूर्व पार्षदों ने केस दायर कर दिया। इस मामले में अधिकारियों ने भी मोर्चा खोला और उन्होंने केस की पैरवी में सभी सम्बंधित दस्तावेज लगाये और टैक्स को सही बताया। भाजपा के पूर्व पार्षद कोर्ट केस में आ गये और मौजूदा पार्षद लखनऊ में संगठन से लेकर सरकार तक चले गये। अब कोर्ट केस में 15 जनवरी की तारीख है और बोर्ड बैठक को लेकर ये बताया जा रहा है कि कोर्ट केस का इंतजार भी हो रहा है और यहां होने वाली बोर्ड बैठक को कैसे फेस किया जायेगा इस पर भी रणनीति बन रही है। ईधर पार्षद भी पूरी तैयारी में हैं और वो भी पूरा प्लान बनाकर बैठे हें कि घमासान किस मुद्दे पर होना है। सूत्र बताते हैं कि पार्षदों की यही तैयारी तो निगम पार्षदों के लिए बेचैनी का कारण है, क्योंकि पार्षदों ने प्लान के लिए घमासान का सीन बना लिया है। वहीं सूत्र बताते हैं कि अचानक से भी बोर्ड बैठक की सूचना का मसौदा आ सकता है। इसके पीछे रणनीति है कि पार्षद बैठक में आयें तो बजट पर ज्यादा शोर ना मचे।

संशोधित बजट पास कराना होगा बड़ी चुनौती

करंट क्राइम। 100 पार्षदों वाले सदन में 75 से ज्यादा पार्षद भाजपा के हैं। माना ये जाता है कि दिल से तो बचे हुए 25 में से भी कई पार्षद आप भाजपा के ही मानों लेकिन वो दल से अपनी अपनी सियासी पार्टियों के साथ जुड़े हैं। वरना दिल ऐसा है कि वो किसी बात का खुलकर विरोध ही नहीं करते। बोर्ड की बैठक में सबसे बड़ी चुनौती संसोधित बजट रहेगा। इस बजट को लेकर ही हंगामा होगा और ये बजट टैक्स के बाद दूसरी बड़ी चुनौती रहेगा। यहां पर एक रणनीति ये भी है कि किसी तरह से बैठक को लंच तक खींचा जायेगा और फिर लंच ब्रेक के बाद अमूमन कई पार्षद चले जाते हैं। मुद्दों पर बोलने की रफ्तार भी कम हो जाती है। और रणनीति में बचे हुए प्रस्तावों पर मोहर आसानी से लग जाती है।

बोर्ड बैठक में उठेगा कृपा पाये वार्डों के विकास का शोर

करंट क्राइम। निगम को भारी तौर पर देखें तो वहां समूचे सदन में भाजपा है। जो भाजपा को हराकर चुनाव जीते और अब फिर भाजपाई हो गये हैं वो भी वहां हंगामा करेंगे। जो भाजपा को ही हराकर आये हैं वो पार्षद भी हैं। सूत्र बताते हैं कि अंदाजे फायर का किस्सा फ्लॉवर वालों के दल से ही आयेगा। यहां पर एक ऐसे वार्ड का जिक्र आयेगा जो हाथ वाले पार्षद का है और यहां विकास कार्यों पर काफी धन खर्च हुआ है। कई ऐसे वार्डों का मामला उठेगा जहां फंड की कमी बताकर विकास को साईड में किया गया है। सूत्र बताते हैं कि उन प्रस्तावों को लेकर भी हंगामा हो सकता है जो प्रस्ताव बोर्ड बैठक में तो रखे जायेंगे लेकिन इन प्रस्तावों पर काम पहले ही हो गया है। यहां पर संसोधित बजट भी पास होगा, क्योंकि मार्च तक ये पूरा बजट विकास पर लगना है।

हैण्डपम्प वाले हैं फ्लॉवर वालों के सहयोगी मगर उनकी नजर में कितने उपयोगी

देवतुल्य इस बात को जानते हैं कि चुनाव भी लड़ा जायेगा और वोट भी मिलेंगे ऑन द नेम ऑफ योगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में वैसे तो ये कहा जाता है कि यहां कोई भी स्थायी दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं होता। मगर राजनीति में कई बार सहयोग होता है कई बार साथ होता है और सहयोग का ये योग राजनीतिक दलों के लिए कितने उपयोग का होता है, ये परिस्थितियों पर निर्भर करता है। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बात बाबा सरकार है और राजनीति के जानकार बताते हैं कि भगवा लहर कायम है। अगर चुनावी बेस की बात करें तो भाजपा के लिए यहां यूपी में बाबा का फेस ही काफी है। बताया ये भी जाता है कि 2027 का चुनावी रण बाबा के चेहरे पर ही होगा।

यूपी की सियासी नईया के भगवा खेवनहार बाबा ही होंगे। सवाल अब ये उठने लगा है कि जब लहर हमारी, शहर हमारा और सबकुछ हमारा है तो फिर हमें सहयोग की जरूरत क्या है। बताया जाता है कि अगर राजनीतिक सहयोग की बात करें तो भाजपा अपने किसी भी आयाम से लेकर चुनाव प्रचार तक हैन्डपम्प का वाटर पीने को तैयार नहीं है।

अब ये जिक्र कई बार राजनीतिक गलियारों में चलता है कि क्या भाजपा 2027 के चुनावी रण में हैन्डपम्प वालों का कोई सहयोग लेगी। कहने वाले यहां पर ये कह भी देते हैं कि क्या हमने पहले ऐसा सहयोग लिया है। वो पहले विधानसभा चुनाव की याद दिलाते हैं और बताते हैं कि सहयोग धर्म का पालन करने के लिए हमने उन्हें साथ बिठा लिया वरना हम बूथ की पर्ची से लेकर बस्ते तक उनके किसी सहयोग के तलबगार नहीं हैं। रालोद वालों के सामने सियासी मजबूरी ये है कि वो अब सरकार के किसी फैसले की आलोचना भी नहीं कर सकते और कई बार वो जनता के बीच मुददों को लेकर साईलेंट मोड पर आ जाते हैं। सवाल फिर वहीं है कि 2027 के चुनावी रण में भाजपा, रालोद के कितने नेताओं को अपने सहयोग वाले एजेन्डे में शामिल करेगी। सच ये भी है कि भाजपा में देवतुल्य फौज है और वहां कोई काम ऐसा नहीं है जो उनके कार्यकर्ता ना कर रहे हों। कहने वाले ने कह भी दिया कि अगर फ्लॉवर वालों के यहां कार्यकर्ताओं की कमी होती तो वो एसआईआर अभियान में हैन्डपम्प वालों को भी साथ ले सकते थे, लकिन वो अब उन्हें नहीं ले रहे तो नहीं ले रहे हैं। सियासत में सहयोगी होना एक अलग बात है लेकिन दूसरे दल वालों की नजर में आपका उपयोगी होना एक अलग बात है।

लिहाजा ऐसे में ये कहा जा सकता है कि हैन्डपम्प वाले सहयोगी हो सकते हैं लेकिन फूल वालों की नजर में पॉलिटिकली उपयागी नहीं हैं।

त्रिलोक त्यागी से लेकर इंद्रजीत सिंह टीटू जैसे राष्ट्रीय नेता भी रहते हैं शहर में

करंट क्राइम। रालोद के पास नेताओं की कमी नहीं है। रालोद में ऊर्जावान नेता हैं और किसानों से जुड़े हुए नेता हैं, आम आदमी के बीच में रहने वाले लीडर हैं। ये नेता ऊर्जा से लबरेज हैं और बेबाक तरीक से बात भी रखते हैं। जनता के बीच रहना और जनता की बात को मुखरता से रखने वाले नेता के रूप में सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू का नाम आता है। उनकी ये खूबी है कि बात अपने समाज की हो तो भी बात मानवता की हो तो भ और बात राष्ट्रवाद की हो तो भी सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू मुखर तरीके से मुददों पर अपनी बात रखते हैं। एक लम्बा पॉलिटिकल कैरियर उनका रहा है, और वो रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे हें। अब वो रालोद के अल्पसंख्य प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। सियासी कद है और उनके बारे में ये कहा जाता है कि वो सभी के लिए हमेशा सहयोगी की भूमिका में भी रहते हैं और उपयोगी की भूमिका में भी रहते हैँ। राष्ट्रीय नेताओं की बात करें तो रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी एक शानदार व्यक्तिव हैं। बेहतर वक्ता हैं और उनका राजनीति करने का अपना अंदाज है। शानदार प्रोफाईल है, लोकसभ का चुनाव मजबूत ढंग से लड़ चुके हैं। रालोद के पास यहां नेताओं की बात करें तो अजयवीर चौधरी, एडवोकेट का नाम है। अजयवीर चौधरी लम्बे समय से रालोद से जुड़े हैं। कुछ दिनों के लिए वो समाजवादी पार्टी में गये थे लेकिन बाद में रालोद में लौट आये। अमरजीत सिंह बिडडी रालोद के एक ऐसे नेता जो हमेशा एक्टिव मोड में रहते हैं। विवादों से दूर रहकर राजनीति करते हैं। अरूण चौधरी भुल्लन रालोद के महानगर अध्यक्ष रहे हैं और अब वो अपना फोकस जाट महासभा पर कर रहे हैं। रालोद के ये चेहरे राजनीतिक रूप से एक्टिव हैं लेकिन 2027 के चुनावी रण में ये कहां दिखाई देंगे फिलहाल ये पतानहीं है। अभी तक तो रालोद और भाजपा हाथ मिलाकर चल रहे हैं, अगर हाथ अलग करने की बेला आयी तो इन चेहरों की ताकत का भी पता चलेगा।

2027 के चुनावी रण में विपक्ष का कौन सा चेहरा देगा ललकार नये चेहरों पर खेला जायेगा दांव या पुराने चेहरों पर ही होगा विचार

वर्ष 2027 में विधानसभा के चुनावी रण का योग बन रहा है। विधानसभा का चुनाव होना है और ऐसे में ये एक सवाल अब राजनीतिक गलियारों में गूंजने लगा है कि विपक्ष का कौन सा चेहरा यहां उम्मीदवार होगा। पार्टी क्या पुराने चेहरों पर ही विचार करेगी या इस बार वो चुनावी रण में नये चेहरों को उतारेगी। चुनावी रण में एक संयोग ये भी रहेगा कि दो प्रमुख राजनीतिक दल सहयोग की भूमिका में रहेंगे।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वर्ष 2027 में विधानसभा के चुनावी रण का योग बन रहा है। विधानसभा का चुनाव होना है और ऐसे में ये एक सवाल अब राजनीतिक गलियारों में गूंजने लगा है कि विपक्ष का कौन सा चेहरा यहां उम्मीदवार होगा। पार्टी क्या पुराने चेहरों पर ही विचार करेगी या इस बार वो चुनावी रण में नये चेहरों को उतारेगी। चुनावी रण में एक संयोग ये भी रहेगा कि दो प्रमुख राजनीतिक दल सहयोग की भूमिका में रहेंगे। वेस्ट यूपी की बात करें तो यहां किसानों की पार्टी कहे जाने वाला दल, जाटों की पार्टी माने जाने वाला दल, राष्ट्रीय लोकदल अब भाजपा से हाथ मिला चुका है। उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी अब भाजपा सरकार में मंत्री हैं। रालोद अब भाजपा का सहयोगी दल है। इसी तरह समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भी विधानसभा के चुनावी रण में एक दूसरे से हाथ मिलाकर चलेंगे। बसपा पर यहीं निगाह होगी कि वो इस बार किसी कार्यकर्ता को चुनाव लड़ायेगी या हमेशा की तरह पैराशूट उम्मीदवार लेकर आयेगी। आम आदमी पार्टी यहां सियासी ताकत से बहुत कमजोर है और ये देखने की बात है कि वो चुनाव लड़ायेगी या वो भी कांग्रेस से हाथ मिलायेगी। फिलहाल नजर इस बात पर रहेगी कि विपक्ष भाजपा की ललकार के सामने किस तरह से अपनी चुनावी हुंकार भरता है। उसके उम्मीदवार यहां चुनावी धनुष पर टंकार देते हैं या फिर वो बस चुनाव लड़ने के लिए ही चुनाव लड़ेंगे। राजनीति की बात करें तो यहां पुराने चेहरों में पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी हैं। यहां चुनाव लड़ने वालों में पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा के नाम की चर्चा है। लोनी से पूर्व विधायक जाकिर अली का नाम चलता है। कई बार चुनाव लड़ चुके सुधन रावत के नाम की चर्चा होती है। कांग्रेस की बात करें तो यहां सुशांत गोयल, डॉली शर्मा के नाम की चर्चा होती है और ये चर्चा भी होती है कि क्या कांग्रेस इस बार अपने एक मात्र चुनावी चेहरे डॉली शर्मा को छोड़कर किसी नये चेहरे को मौका देगी। यहां पर समाजवादी पार्टी कांग्रेस के मुकाबले मजबूत स्थिति में दिखाई देती है और ऐसे में अगर समाजवादी पार्टी के चेहरों की बात करें तो अभिषेक गर्ग यहां मजबूत चेहरा हैं। वो शहर विधानसभा में एक्टिव भी दिखाई देते हैं और इंटरनली उनकी दावेदारी भी चल रही है। मुरादनगर से कौन चेहरा समाजवादी पार्टी से आयेगा इसका जिक्र जब भी होता है तो पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी का नाम आता है। हालाकि श्री मुन्नी पुराने चेहरें हैं और कई चुनाव लड़ चुके हैं।

सिकन्दर यादव भी मेयर चुनाव के बाद से अब राजनीतिक रूप से उतने एक्टिव नहीं हैं और ये भी देखने की बात है कि विधानसभा चुनाव में ये चेहरा कितनी रूची लेगा। आमआदमी पार्टी के पास फिलहाल कोई ऐसा चेहरा नहीं है और वो यहां सियासी एक्टिविटी वाली कनैक्टिविटी से दूर चल रहे हैं। शुरू में जोश में आयी ये पार्टी अब राजनीतिक गतिविधियों में उतना सक्रिय नही दिखाई देती है।

अटल जन्मशताब्दी: संसदीय गरिमा के प्रतीक की स्मृति में 'अटल नगर' की प्रतीक्षा : बालेश्वर त्यागी

लेख के प्रमुख अंश

राजनीति के 'शलाका पुरुष': अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के वे आदर्श स्तंभ हैं, जिन्हें लोकतंत्र, संसदीय मयार्दा और शब्दों की शुचिता सीखने के लिए किसी भी विद्यार्थी को पढ़ना अनिवार्य है।

भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार: 1996 का उनका ऐतिहासिक भाषण आज भी प्रासंगिक है, जिसमें उन्होंने चेताया था कि निजीकरण और आर्थिक सुधारों के दौर में 'प्रमाणिकता' और 'ट्रस्टीशिप' का होना अनिवार्य है।

गाजियाबाद में उपेक्षा का प्रश्न: यदि शहर में नेहरू, गांधी, लोहिया और शास्त्री जी के नाम पर नगर हो सकते हैं, तो आधुनिक भारत के शिल्पकार अटल जी के नाम पर 'अटल नगर' के लिए इतनी कठिनाई क्यों?

प्रशासनिक उदासीनता: मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजे गए सुझावों का केवल 'औपचारिकता' वश निस्तारण करना और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी, एक विचारवान नागरिक के प्रयासों को हतोत्साहित करती है।

अधूरी आकांक्षा: अटल जी की जन्मशताब्दी पर गाजियाबाद में उनकी स्मृति को स्थायी करने का अवसर था, जिसे स्थानीय संगठन और प्रशासन ने फिलहाल पहचान की गरिमा नहीं दी।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आज अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष हैं। उन्होंने लोकतंत्र और संसदीय मयार्दाओं को जीकर दिखाया। अगर राजनीति शास्त्र के किसी विद्यार्थी को जानना हो कि लोकतंत्र में आदर्श राजनेता कैसा हो तो उसे अटल बिहारी वाजपेयी जी को जानना पड़ेगा। राजनीति में किसी नेता को शब्दों की मयार्दा और संसदीय आचरण की मयार्दा को अगर सीखना हो तो अटल बिहारी वाजपेयी को पढ़ना पड़ेगा।

सब ठाठ धरा रह जाएगा,
जब बांध चलेगा बंजारा।

कुछ बचने वाला नहीं है। लेकिन इस तरह से धन के पीछे लोग पड़े हैं। और सत्ता का भी लाभ इस लिए है कि सत्ता की प्राप्ति से धन का प्राप्त करना सरल हो जाता है। लेकिन इकनॉमिक रिफॉर्म्स आए हैं। लाइब्रेजेशन है तो उसके साथ प्रमाणिकता चाहिए। पब्लिक शेयर बेचने में भी अगर धांधली हो और प्राइवेटाइजेशन में कारखाने सस्ते दाम पर अपने मित्रों को दे दिए जाय...उद्योगपतियों को भी समझना चाहिए कि उन्हें देश के साथ न्याय करना है। केवल मुनाफा कमाना उनका लक्ष्य नहीं हो सकता . उन्हें ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए ....ये 12 जून 1996 को संसद में अपने भाषण के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने कहते हुए भ्रष्टाचार के मर्म पर सीधी चोट की थी।

सारा देश उनकी जन्म जयंती मना रहा है। लखनऊ में तो बने प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वय जा रहे हैं। अगर गाजियाबाद में भी उनकी स्मृति को स्थायी करने के लिए जीडीए द्वारा विकसित की जाने वाली कॉलोनी का नाम अटल नगर होता तो कितना अच्छा होता। गाजियाबाद में नेहरूनगर है, गांधीनगर है , कमला नेहरू नगर है , इंदिरा नगर है , संजय नगर है ,जवाहर नगर है, शास्त्रीनगर है , लोहिया नगर है, लाजपत नगर है , फिर अटल नगर होने में क्या कठिनाई है ?? मैने स्वयं माननीय मुख्य मंत्री जी को इस सुझाव से अवगत कराया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मेरे सुझाव को प्राप्ति के अगले ही दिन निस्तारित करके मुझे सूचित कर दिया। सुझाव पर विचार करने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

मैने माननीय मुख्य मंत्री जी को पत्र लिखकर पुनः अवगत कराया। लेकिन मुख्य मंत्री कार्यालय से पत्र प्राप्ति की सूचना तक नहीं मिली। किसी कार्यवाही की कल्पना भी व्यर्थ है। मैने मुख्य मंत्री जी के अतिरिक्त गाजियाबाद के जनप्रतिनिधियों से भी इस अनुरोध को आगे बढ़ाने की मांग की। जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की मुझे पता नहीं चला। लेवल माननीय सासद जी का इसके समर्थन एक वक्तव्य स्थानीय समाचार पत्र में पढ़ा। स्थानीय भाजपा संगठन के किसी वरिष्ठ कनिष्ठ कार्यकर्ता ने इस सुझाव को आगे नहीं बढ़ाया।

काश अटल जी की जन्म जयंती की शताब्दी पर गाजियाबाद में भी उनकी स्मृति में एक नगर होता!!

पानी संकट पर महापौर सुनीता दयाल सख्त, जल निगम को दी सख्त चेतावनी
कहा, पानी की सप्लाई तुरंत बहाल की जाए

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वार्ड-7 आदर्श नगर, बिहारीपुरा कॉलोनी (विजय नगर) में पिछले करीब 10 दिनों से पानी की आपूर्ति बाधित रहने पर जनता ने महापौर से शिकायत की। समस्या लेकर पहुँचीं लगभग 50 महिलाएं और स्थानीय नागरिक महापौर आवास पर मिले और पानी न मिलने से हो रही परेशानियों से अवगत कराया। जनता की शिकायत पर महापौर सुनीता दयाल ने तुरंत अधिकारियों के साथ बैठक कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन फटने के कारण घरों तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है, जबकि कई दिनों से मरम्मत नहीं की गई। अधिकारियों से जानकारी लेने पर सामने आया कि यह इलाका सीएचए पार्ट-2, फेज-2 योजना के अंतर्गत आता है, जहां उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा पानी की टंकी, ट्यूबवेल और पाइपलाइन बिछाई गई थी तथा वर्तमान में पानी की सप्लाई

शेष, पृष्ठ 8

संपादकीय

हिंदू राष्ट्र विमर्श

सरसंघचालक मोहन भागवत ने फिर दोहराया है कि भारत ह्यहिंदू राष्ट्रह्न है। विश्व में हिंदुओं का एक ही देश है-भारत। हिंदुओं को एकजुट हो जाना चाहिए, नतीजतन बदलाव तय हैं। ये बदलाव बांग्लादेश, पाकिस्तान और दुनिया के किसी भी कोने में देखे और महसूस किए जा सकेंगे। संघ प्रमुख सभी समुदायों को बुनियादी तौर पर हिंदू करार देते रहे हैं, उनका डीएनए भी एक ही मानते रहे हैं, बेशक पूजा-पद्धतियां और कुछ रीति-रिवाज भिन्न हैं। सरसंघचालक ने आरएसएस की सोच और विचारधारा को भी ह्यहिंदू राष्ट्रवादह्न कहा है। संघ हिंदुओं के हित, कल्याण, सामर्थ्य, विकास और संरक्षण के लिए ही काम करता रहा है। हालांकि भागवत का बयान और यथार्थ तकनीकी और संवैधानिक आधार पर सही नहीं माना जा सकता। भारत के संविधान की प्रस्तावना में ही ह्यपंथनिरपेक्षह्न देश घोषित किया गया है, लेकिन सरसंघचालक भागवत ह्यहिंदू राष्ट्रह्न के लिए संविधान संशोधन को भी अनिवार्य नहीं मानते। तो संविधान के मुताबिक, भारत को ह्यहिंदू राष्ट्रह्न कैसे माना जा सकता है? यदि संवैधानिक स्थिति नहीं है, तो वह कानूनन अवैध है। बहरहाल भारत की आबादी 147 करोड़ को पार कर चुकी है। हिंदू 78.9-79.4 फीसदी आबादी (करीब 115 करोड़) के साथ आज भी भारत का सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय है। यह भी हकीकत है कि हिंदुओं की आबादी लगातार घटी है और मुस्लिम आबादी बढ़ते हुए 15.2 फीसदी से ज्यादा हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का आकलन है कि देश में मुस्लिम आबादी 24.6 फीसदी बढ़ी है, जबकि हिंदू समुदाय की जनसंख्या में 4.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। गृहमंत्री आबादी के इस बदलते समीकरण को प्रजनन-दर की बढ़ोतरी या कमी के संदर्भ में नहीं आंकते, बल्कि घुसपैठ को मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी का बुनियादी कारक मानते हैं।

यदि ऐसा है, तो सरकार बीते साढ़े 11 साल से घुसपैठियों को चिह्नित करने और देश से बाहर खदेड़ने में अक्षम, असमर्थ क्यों है? यदि कुछ और ही कारण हैं, तो वे देश के सामने रखे जाने चाहिए। लोकतंत्र में तो यही अपेक्षित होता है। सरसंघचालक भागवत मुसलमानों को भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी ह्यहिंदूह्न अथवा ह्यसनातनीह्न करार देते रहे हैं। उनका मानना है कि विशेष परिस्थितियों में उनके पूर्वजों को धर्मांतरण कर ह्यमुसलमानह्न बनना पड़ा। इस मुद्दे पर एक तार्किक और साक्ष्यनुमा बहस की दरकार है। अकेले सरसंघचालक ने बयान दे दिया और देश उसे स्वीकार कर लेगा, यह संभव नहीं है, क्योंकि भागवत कोई संवैधानिक पुरुष नहीं हैं। बेशक भारत में हिंदू एक महत्वपूर्ण और एकतरफा बहुसंख्यक समुदाय है, जिनके आधार पर भावनात्मक और प्रतीकात्मक रूप से भारत को ह्यहिंदू राष्ट्रह्न माना जा सकता है। दरअसल यह हिंदू सोच, संस्कृति, धर्मनिरपेक्षता और समभाव की चेतना की ही खूबसूरती है कि भारत में आज भी 5.5 लाख से अधिक मस्जिदें हैं। ईसाई धर्म के चर्च की अनुमानित संख्या 28,278 है।

अटल बिहारी वाजपेयी : भारत के महान नेता, कवि और राष्ट्रसेवक

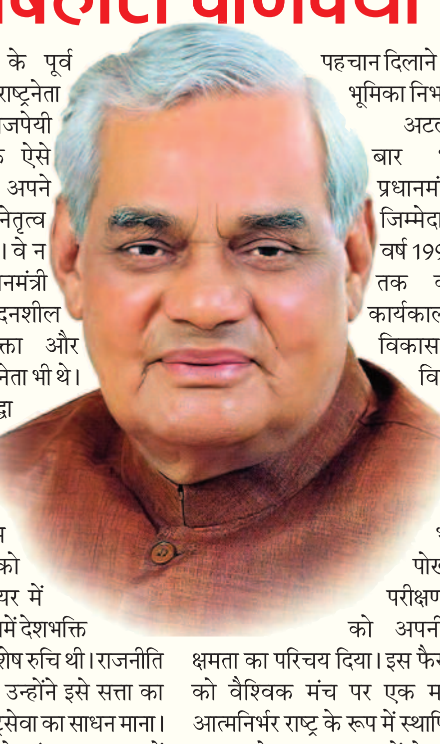

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात राष्ट्रनेता अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने विचार, आचरण और नेतृत्व से देश को नई दिशा दी। वे न केवल एक सफल प्रधानमंत्री थे, बल्कि एक संवेदनशील कवि, ओजस्वी वक्ता और सर्वदलीय सम्मान प्राप्त नेता भी थे। आज भी देश उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करता है।

अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। प्रारंभ से ही उनमें देशभक्ति और साहित्य के प्रति विशेष रुचि थी। राजनीति में कदम रखने के बाद उन्होंने इसे सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का साधन माना। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे और पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अटल जी ने तीन बार भारत के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 1998 से 2004 तक का उनका कार्यकाल भारत के विकास के लिए विशेष रूप से याद किया जाता है। उनके नेतृत्व में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण कर दुनिया को अपनी सामरिक क्षमता का परिचय दिया। इस फैसले ने भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

उनके शासनकाल में देश में स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरूआत की गई, जिससे सड़कों और परिवहन के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार हुए। इस परियोजना ने न केवल राज्यों को जोड़ा, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति प्रदान की। अटल जी ने सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण को अपनी नीतियों का आधार बनाया।

विदेश नीति के क्षेत्र में भी अटल बिहारी वाजपेयी जी का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने पड़ोसी देशों से संवाद और शांति की नीति अपनाई। लाहौर बस यात्रा उनके शांति प्रयासों का प्रतीक मानी जाती है। वे मतभेदों के बावजूद बातचीत से समाधान निकालने में विश्वास रखते थे।

अटल जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्हें विपक्षी दलों से भी समान रूप से सम्मान मिला। संसद में उनके भाषण मयार्दा, तर्क और भावनाओं का अनूठा संगम होते थे। वे राजनीति में शालीनता और भाषा की गरिमा के प्रतीक माने जाते थे।राजनीति के साथ-साथ अटल बिहारी वाजपेयी एक संवेदनशील कवि भी थे। उनकी कविताओं में जीवन, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम की झलक साफ दिखाई देती है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए ईमानदारी, राष्ट्रभक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, कार्य और आदर्श हमेशा देशवासियों के मार्गदर्शक बने रहेंगे।

बनारस में अंतिम सभा वर्ष 2005 में

राजनीति के शिखर पर पहुंचने से पहले अटल जी ने बनारस में काफी दिन गुजारे तो उसके बाद भी यहां से उनका नाता टूटा नहीं था। आखिरी बार वे 2005 में कृष्णानंद राय की हत्या के बाद 13 दिनों तक चले बीजेपी के धरने में शामिल होने आए थे। कचहरी पर उनकी अंतिम सभा हुई थी। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त बीजेपी प्रत्याशी शंकर प्रसाद जायसवाल के समर्थन में उन्होंने ऐतिहासिक बेनियाबाद मैदान में जनसभा की थी। टाउनहाल में उनकी सभा आज भी बनारस के पुराने लोगों को भूली नहीं है। 1996 में जेपीएस राठौर के अध्यक्ष चुने जाने पर अटल बिहारी वाजपेयी बीएचयू छात्रसंघ का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री के रूप में योगदान

- पोखरण परमाणु परीक्षण (1998)
- स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना
- भारत की विदेश नीति को नई पहचान
- पड़ोसी देशों से शांति प्रयास
- गरीब, किसान और मध्यम वर्ग पर ध्यान

अटल बिहारी वाजपेयी : कवि के रूप में

- अटल जी केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि एक भावुक और संवेदनशील कवि भी थे। उनकी कविताओं में राष्ट्र, जीवन और मानवीय मूल्यों की गहराई दिखाई देती है।

'हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा'

सर्वदलीय नेता की पहचान

अटल बिहारी वाजपेयी जी को विपक्षी दलों में भी विशेष सम्मान प्राप्त था। वे अपनी मर्यादित भाषा, सशक्त वक्तृत्व और लोकतांत्रिक सोच के लिए जाने जाते थे। संसद में उनके भाषण आज भी प्रेरणा का स्रोत माने जाते हैं।

रिकॉर्ड निर्यात और बड़े व्यापार समझौतों से 2025 में भारत की मजबूत वैश्विक मौजूदगी

नई दिल्ली। वाणिज्य विभाग ने वर्ष 2025 का समापन अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय बढ़त के साथ किया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साल के अंत में जारी समीक्षा में बताया कि 2025 रिकॉर्ड निर्यात, बड़े वैश्विक व्यापार समझौतों और घरेलू कारोबार को आसान बनाने वाले सुधारों का वर्ष रहा। उन्होंने इसे पीएम मोदी के नेतृत्व में 'उपलब्धियों और प्रगति से भरा साल' बताया।

मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सरकार का फोकस तीन एफटीए को अंतिम रूप देने से लेकर रिकॉर्ड निर्यात हासिल करने तक रहा। इस दौरान ऑटोमेटेड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया गया और घरेलू कारोबारियों के लिए

नियामकीय अड़चनें कम की गईं।

वैश्विक मोर्चे पर तीन बड़े समझौते : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने तीन अहम समझौतों को अंतिम रूप दिया, भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (उएळअ), भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता।

रिकॉर्ड निर्यात और सेवाओं का बड़ा योगदान

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल निर्यात रिकॉर्ड 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 6.05 फीसदी की बढ़त है। इसमें सेवाओं के निर्यात का योगदान अहम रहा, जो 387.54 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंजीनियरिंग उत्पाद, दवाइयां व फार्मा, समुद्री उत्पाद और चावल निर्यात की प्रमुख ताकत बने।

डिजिटल टूल्स से ट्रेड को मिला सहारा

व्यापार को आसान बनाने के लिए सरकार ने कई डिजिटल पहलें शुरू कीं। निर्यातकों के लिए सिंगल डिजिटल विंडो के रूप में ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गाय, जबकि ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) पोर्टल लॉन्च किया गया, जबकि पोर्टल से रियल-टाइम बाजार डेटा उपलब्ध कराया गया। मंत्री ने कहा कि ये प्लेटफॉर्म डिजिटल ट्रेड इकोसिस्टम को मजबूत कर रहे हैं और कारोबार का अनुभव बेहतर बना रहे हैं।

अस्थिर कारोबार में शेयर बाजार नीचे बंद, रुपया भी टूटा

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 116.14 अंक गिरकर 85,408.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 35.05 अंक गिरकर 26,142.10 अंक पर आ गया।

वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुझानों और साल के अंत की छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह के कारोबार और कारोबार की मात्रा कम रहने के कारण बुधवार को अस्थिर कारोबार में बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 116.14 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 85,408.70 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसने 85,738.18 का उच्च स्तर और 85,342.19 का निम्न

स्तर छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 35.05 अंक या 0.13 प्रतिशत गिरकर 26,142.10 पर आ गया। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और सोने के आयातकों से डॉलर की बढ़ती मांग के कारण बुधवार को रुपया शुरूआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे गिरकर 89.79 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल : सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से इंटरग्लोब एविएशन, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा स्टील सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। हालांकि, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति और पावर ग्रिड लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में कोई खास बदलाव नहीं हुआ और साल के अंत में कारोबार की मात्रा भी कम रही। एशियाई बाजारों में भी यही रुझान देखने को मिला।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोपीय बाजारों में मामूली बढ़त देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

रिजर्व बैंक ने तरलता बढ़ाने के लिए की बड़ी घोषणा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि वह बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा और 10 अरब अमेरिकी डॉलर की डॉलर-रुपये स्वैप नीलामी आयोजित करेगा। ओएमओ (ओपन मार्केट ऑपरेशंस) की खरीद और अदला-बदली की नीलामी 29 दिसंबर, 2025 से 22 जनवरी, 2026 के बीच आयोजित की जाएगी।

रोचक तथ्यों का करंट

- टाइटन का नम वातावरण, शनि का चंद्रमा इंद्रधनुष के गठन के लिए आदर्श है।
- झरने के निकट और पृथ्वी के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में इंद्रधनुष आम तौर पर अधिक देखा जाता है।
- कोहरे पर चमकते सूरज की रोशनी द्वारा उत्पादित इंद्रधनुष के समान एक घटना Fogbow कहलाती है।
- पृथ्वी सौर मंडल का एकमात्र ग्रह है जहां इंद्रधनुष संभव है।
- फ्लीज उनकी ऊंचाई से 200 गुना अधिक कूद सकता है। मनुष्य की तुलना में न्यूयॉर्क के एम्पायर स्टेट बिल्डिंग कूदने के समान है।
- महिला कंगारूओं में तीन योनि होती हैं।
- रेनडियर की आंखों की पुतलियाँ सर्दियों में नीले रंग में बदल जाती है, जिससे उन्हें कम रोशनी के स्तर पर देखने में मदद मिलती है।
- एक बिल्ली के प्रत्येक कान में बत्तीस मांसपेशियां होती हैं।
- मधुमक्खियाँ अपने पैरों से स्वाद ले सकती हैं, और माना जाता है कि शहद के पास एक शाश्वत शैल्फ जीवन है।
- कंगारू के पूर्वज पेड़ों में रहते थे। आज यहां आठ अलग-अलग प्रकार के वृक्ष कंगारू हैं।

राशिफल

मेष : आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष : जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन : शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह : व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला : कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक ? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु : आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर : लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ : किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन : वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टीचर : पप्पू, आज लेट क्यों आए?
पप्पू : सर, अलार्म नहीं बजा।
टीचर : रोज यही बहाना!
पप्पू : सर, अलार्म भी मेरे जैसा है—जिम्मेदारी नहीं लेता!

पत्नी : सुनो जी, मैं कैसी लग रही हूँ?
पति : शानदार!
पत्नी : सच में?
पति : हाँ, आज आईने ने भी शिकायत नहीं की!

दोस्त : भाई, जिम क्यों नहीं जा रहा?
गोलू : जाता हूँ रोज।
दोस्त : दिखता नहीं!
गोलू : मैं अंदर से फिट हो रहा हूँ!

मरीज : डॉक्टर साहब, नींद नहीं आती।
डॉक्टर : मोबाइल कम चलाओ।
मरीज : कितना कम?
डॉक्टर : चार्जर ढूँढने जितना!

25 12 2025 करंट क्राइम — आज के जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

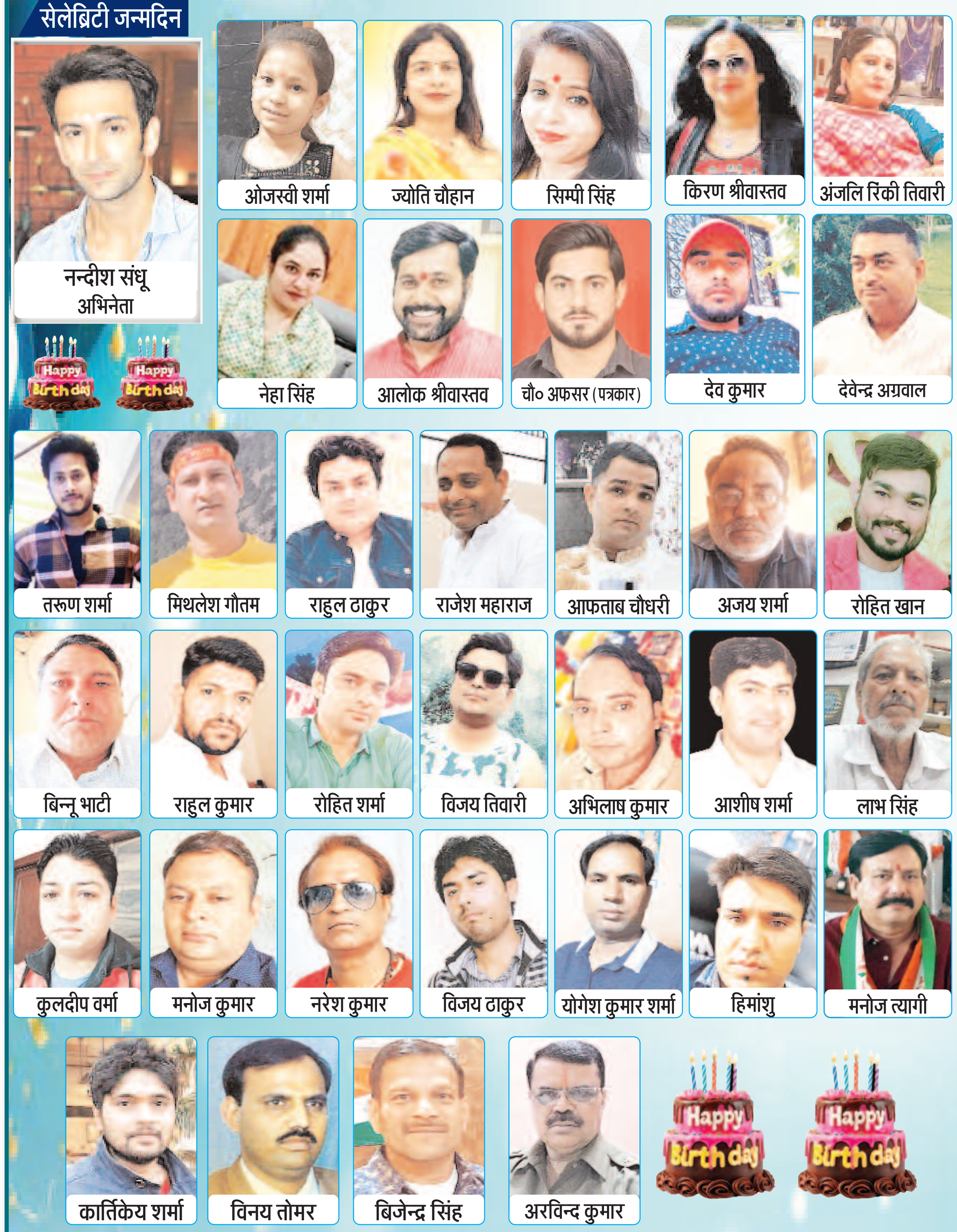

सेलेब्रिटी जन्मदिन: नन्दीश संधू, अभिनेता

ओजस्वी शर्मा, ज्योति चौहान, सिम्पी सिंह, किरण श्रीवास्तव, अंजलि रिंकी तिवारी, नेहा सिंह, आलोक श्रीवास्तव, चौ० अफसर (पत्रकार), देव कुमार, देवेन्द्र अग्रवाल, तरूण शर्मा, मिथलेश गौतम, राहुल ठाकुर, राजेश महाराज, आफताब चौधरी, अजय शर्मा, रोहित खान, बिन्नू भाटी, राहुल कुमार, रोहित शर्मा, विजय तिवारी, अभिलाष कुमार, आशीष शर्मा, लाभ सिंह, कुलदीप वर्मा, मनोज कुमार, नरेश कुमार, विजय ठाकुर, योगेश कुमार शर्मा, हिमांशु, मनोज त्यागी, कार्तिकेय शर्मा, विनय तोमर, बिजेन्द्र सिंह, अरविन्द कुमार

Happy Birthday

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

एक घंटे भी नहीं रह पाया वैभव का रिकॉर्ड : विजय हजारे में छाए बिहारी

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी 2025 का एक दिन भारतीय घरेलू क्रिकेट के इतिहास में रिकॉर्ड्स के नाम रहा। पहले वैभव सूर्यवंशी के 36 गेंदों के शतक का रिकॉर्ड बना, जिसे कुछ ही समय बाद बिहार के कप्तान सकीबुल गनी ने 32 गेंदों में शतक जड़कर तोड़ दिया। इसके बाद झारखंड के कप्तान ईशान किशन ने 33 गेंदों में शतक लगाकर दिन को और खास बना दिया। एक ही दिन में तीन विस्फोटक शतकों ने लिस्ट-ए क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों की ताकत और गहराई को दर्शा दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025 का पहला दिन, यानी 24 दिसंबर भारतीय घरेलू क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस दिन तीन बिहारियों का जलवा देखने को मिला और कुछ ही घंटों के भीतर एक के बाद एक रिकॉर्ड टूटते चले गए। एक ही दिन में वैभव सूर्यवंशी, सकीबुल गनी और ईशान किशन के बल्ले से निकली इन पारियों ने विजय हजारे ट्रॉफी को रिकॉर्ड्स का अखाड़ा बना दिया है।

सकीबुल बिहार टीम के कप्तान हैं, जबकि वैभव बिहार के ओपनर हैं। ईशान झारखंड से खेलते हैं, लेकिन उनका परिवार बिहार में रहता है और वह बिहार से हैं।

वैभव के बाद गनी का तूफान

पहले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक लगाकर विजय हजारे ट्रॉफी और लिस्ट-ए में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड एक घंटे भी टिक नहीं पाया।

बिहार के कप्तान सकीबुल गनी ने उसी मैच में उससे भी तेज बल्लेबाजी करते हुए केवल 32 गेंदों में शतक जड़ दिया और लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक अपने नाम कर लिया।

गनी ने 10 चौके और 12 छक्के जड़े

अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ इस मुकाबले में बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऐसा तूफान मचाया, जिसे रोक पाना विपक्षी गेंदबाजों के लिए नामुमकिन हो गया।

विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे बड़े स्कोर

टीम	स्कोर	ओवर	विरोधी	मैदान	तारीख
बिहार	574/6	50.0	अरुणाचल प्रदेश	रांची	24 दिसंबर 2025
तमिलनाडु	506/2	50.0	अरुणाचल प्रदेश	बेंगलुरु	21 नवंबर 2022
मुंबई	457/4	50.0	पुडुचेरी	जयपुर	25 फरवरी 2021
महाराष्ट्र	427/6	50.0	मणिपुर	जयपुर	5 दिसंबर 2023
पंजाब	426/4	50.0	हैदराबाद	अहमदाबाद	3 जनवरी 2025

लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर

टीम	स्कोर	ओवर	विरोधी	मैदान	साल
बिहार	574/6	50.0	अरुणाचल प्रदेश	रांची	2025
तमिलनाडु	506/2	50.0	अरुणाचल प्रदेश	बेंगलुरु	2022
इंग्लैंड	498/4	50.0	नीदरलैंड्स	एम्स्टेलवीन	2022
सरे	496/4	50.0	ग्लूस्टरशायर	द ओवल	2007
इंग्लैंड	481/6	50.0	ऑस्ट्रेलिया	नॉटिंघम	2018
मुंबई	457/4	50.0	पुडुचेरी	जयपुर	2021

गनी ने 32 तो किशन ने 33 गेंद में जड़ा शतक

वैभव सूर्यवंशी 190 रन, 84 गेंद | सकीबुल गनी 128* रन, 40 गेंद | ईशान किशन 125 रन, 39 गेंद | आयुष लोहारुका 116 रन, 56 गेंद

शुभमन गिल इसलिए हुए बाहर क्योंकि सूर्यकुमार यादव रन नहीं बना रहे

वर्ल्ड चैंपियन का बड़ा दावा

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप टीम चयन पर रॉबिन उथप्पा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया गया क्योंकि सूर्यकुमार यादव खराब फॉर्म के बावजूद कप्तान होने के कारण टीम में बने रहे।

उथप्पा के मुताबिक, वर्ल्ड कप टीम में एक से ज्यादा आउट ऑफ फॉर्म खिलाड़ी नहीं रखे जा सकते।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद से ही क्रिकेट जगत में बहस तेज हो गई है। इस चर्चा के केंद्र में दो नाम सबसे ऊपर हैं, टी20 टीम के उपकप्तान रहे शुभमन गिल का बाहर होना और लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव का टीम में बने रहना। अब इस मुद्दे पर 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रॉबिन उथप्पा ने बड़ा बयान देकर बहस को और हवा दे दी है। सूर्यकुमार यादव पिछले काफी समय से बल्ले से संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। आंकड़े साफ बताते हैं कि उन्होंने अपनी पिछली 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है।

किंग कोहली का 84 गेंद में शतक, हिटमैन रोहित शर्मा ने 94 गेंद में बनाए 155 रन

विराट कोहली और रोहित शर्मा विजय हजारे ट्रॉफी के जरिए घरेलू क्रिकेट में लौट आए हैं। दिल्ली का मुकाबला आंध्र प्रदेश से जारी है। वहीं, मुंबई ने सिक्किम को आठ विकेट से हरा दिया।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बुधवार, 24 दिसंबर का दिन खास बन गया है। टीम इंडिया के दो सबसे बड़े सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में खेलते नजर आ रहे हैं। दोनों दिग्गज विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में अपनी-अपनी टीमों के लिए मैदान पर उतरे और बल्ले से जलवा बिखेरा है। विराट कोहली दिल्ली की ओर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ अर्धशतक लगाकर बल्लेबाजी रहे हैं, जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई की जर्सी में सिक्किम के खिलाफ तूफानी शतक जड़ा।

दिल्ली बनाम आंध्र प्रदेश: कोहली की आक्रामक बल्लेबाजी

दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच मुकाबला बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जा रहा है। दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। विराट कोहली दिल्ली टीम का हिस्सा हैं, जबकि कप्तानी की जिम्मेदारी ऋषभ पंत संभाल रहे हैं। यह मुकाबला पहले बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होना था, लेकिन अंतिम समय में वेन्यू बदल दिया गया। कोहली की घरेलू क्रिकेट में मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को काफी प्रेरणा मिल रही है।

आंध्र प्रदेश ने 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 298 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की बल्लेबाजी जारी है। खबर लिखे जाने तक दिल्ली ने 28 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 225 रन बना लिए हैं। किंग कोहली 100+ के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने 84 गेंद में शतक जड़ा। वह 86 गेंद में 108 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा प्रियांश आर्या ने 44 गेंद में सात चौके और पांच छक्कों की मदद से 74 रन की पारी खेली। कोहली के साथ नीतीश राणा क्रीज पर हैं।

रोहित शर्मा के तूफानी शतक से मुंबई ने सिक्किम को हराया

मुंबई और सिक्किम के बीच मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में सिक्किम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

> **घरेलू क्रिकेट में क्यों उतरे विराट और रोहित?**
>
> बीसीसीआई ने इस सीजन से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों के लिए कम से कम दो घरेलू मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसी नियम के तहत विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। आमतौर पर इंटरनेशनल क्रिकेट तक सीमित रहने वाले ये दोनों खिलाड़ी अब घरेलू मंच पर युवाओं के साथ खेलते दिख रहे हैं, जो फैंस के लिए एक दुर्लभ और खास मौका है।

रोहित शर्मा मुंबई टीम का हिस्सा हैं, जबकि कप्तानी शार्दुल ठाकुर कर रहे हैं। रोहित लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और फैंस को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद है। सिक्किम ने 50 ओवर में सात विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 30.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 62 गेंद में आठ चौके और आठ छक्के की मदद से शतक लगाया। इसके बाद 91 गेंद में 150 रन पूरे किए। वह 94 गेंद में 18 चौके और नौ छक्कों की मदद से 155 रन बनाकर आउट हुए। अंगकृष रघुवंशी ने 58 गेंद में 38 रन की पारी खेली। वहीं, मुशीर खान 26 गेंद में 27 रन और सरफराज खान पांच गेंद में आठ रन बनाकर नाबाद रहे।

मुंबई (प्लेइंग क): रोहित शर्मा, अंगकृष रघुवंशी, सरफराज खान, सिद्धेश लाड, मुशीर खान, हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, शार्दुल ठाकुर (कप्तान), तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डी सूजा।

विराट कोहली ने की सचिन की इस मामले में बराबरी, शतक लगाकर इस तरह मनाया जश्न

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलते हुए उन्होंने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वह लिस्ट ए में 16 हजार रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने घरेलू क्रिकेट में दमदार वापसी की है। बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलते हुए किंग कोहली ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह लिस्ट ए क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह कारनामा सचिन तेंदुलकर ने किया था।

कोहली ने किया बड़ा कारनामा

बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में आंध्र के खिलाफ खेले जा रहे 50 ओवर प्रति पारी के मुकाबले में विराट ने शानदार शतक जड़ा। इस मैच में आंध्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली के सामने 299 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में विराट कोहली का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 16 हजार रन पूरे कर लिए। यह कारनामा विराट ने 330वीं पारी में किया।

वह ओवर ऑल नौवें बल्लेबाज बन गए जिसने लिस्ट ए में 16 हजार रन का आंकड़ा पार किया। इससे पहले ये रिकॉर्ड ग्राहम गूच, ग्रीम हिक, सचिन तेंदुलकर, कुमार संगकारा, सर विवियन रिचर्ड्स, रिकी पोंटिंग, गॉर्डन ग्रीनिज और सनथ जयसूर्या के नाम दर्ज है। कोहली ने सचिन को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, सचिन ने 391वें पारियों में 16 हजार रन पूरे किए थे। वहीं, कोहली ने 330वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल कर ली।

50 ओवर क्रिकेट में कोहली के नाम दर्ज कई उपलब्धियां

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके कोहली अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते नजर आते हैं। वह सचिन के बाद इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। 308 वनडे मैचों में कोहली ने 53 शतक और 76 अर्धशतकों की मदद से 14557 रन बनाए हैं।

शुभमन गिल को बाहर करना गावस्कर पर श्रीकांत को तरजीह देने जैसा : डब्ल्यूवी रमन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए शुभमन गिल को टीम से बाहर किए जाने पर पूर्व भारतीय खिलाड़ी डब्ल्यूवी रमन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस फैसले की तुलना सुनील गावस्कर की जगह श्रीकांत को चुनने से की और चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए। रमन का मानना है कि गिल को किसी गलती के कारण नहीं बल्कि टीम कॉम्बिनेशन की वजह से बाहर किया गया है और उन्हें इस फैसले को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना चाहिए।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज और टी20 के उपकप्तान शुभमन गिल को बाहर किए जाने के फैसले ने क्रिकेट जगत में तीखी बहस छेड़ दी है। अब इस फैसले पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज और भारतीय महिला टीम के पूर्व कोच डब्ल्यूवी रमन ने चयनकर्ताओं को आड़े हाथों लिया है।

अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं दी, जबकि वे लंबे समय से टीम का हिस्सा रहे हैं। इस फैसले को लेकर डब्ल्यूवी रमन ने कहा कि गिल को किसी बड़ी गलती या खराब प्रदर्शन के कारण बाहर नहीं किया गया, बल्कि टीम कॉम्बिनेशन की वजह से उन्हें 'बलि का बकरा' बनाया गया।

'गावस्कर बनाम श्रीकांत' की तुलना: डब्ल्यूवी रमन ने इस फैसले की तुलना करते हुए कहा, 'यह ऐसा ही है जैसे टी20 फॉर्मेट में सुनील गावस्कर के बजाय कृष्णमाचारी श्रीकांत को चुनना। हम सभी जानते हैं कि किसका स्तर क्या है, लेकिन टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजों को प्राथमिकता दी जाती है।' उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में आक्रामकता अहम फैक्टर बन चुकी है और गिल की तुलना में कुछ अन्य बल्लेबाज स्वभाविक रूप से ज्यादा आक्रामक हैं।

रमन ने यह भी सवाल उठाया कि जब शुभमन गिल को टीम से बाहर ही करना था, तो उन्हें टी20 का उपकप्तान बनाने की जरूरत क्या थी।

बुमराह-पंत के 'बौना' कहने पर आई बावुमा की प्रतिक्रिया

तेम्बा बावुमा ने जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत के उनके कद को लेकर की गई टिप्पणी पर बात की। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने बताया कि दोनों ने माफी मांगी है।

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत दौरे पर हुए अप्रिय वाकये पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने उनसे आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर माफी मांगी थी। साथ ही बावुमा ने यह भी माना कि प्रोटियाज के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड को अपने बयान में शब्दों का चयन ज्यादा सावधानी से करना चाहिए था।

बुमराह और पंत ने मांगी बावुमा से माफी

कॉनराड की 'ग्रोवेल' टिप्पणी पर भी की बात

दक्षिण अफ्रीका की टीम दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई थी। इस दौरान मेहमानों ने टेस्ट में 0-2 से टीम इंडिया को हराया था, जिसका बदला मेजबानों ने वनडे सीरीज 2-1 और टी20 सीरीज 3-1 से जीतकर लिया। अब बावुमा ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' के लिए अपने कॉलम में इस दौरे के दौरान हुई दो कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर खुलकर बात की। दरअसल, कोलकाता टेस्ट के दौरान बुमराह और पंत को बावुमा के लिए 'बौना' शब्द का इस्तेमाल करते सुना गया था जिसे उनके कद पर तंज के रूप में देखा गया। इस पर बावुमा ने कहा, 'मेरी तरफ से एक घटना हुई थी, जहां मेरे बारे में उनकी भाषा में कुछ कहा गया। आखिरकार दो सीनियर खिलाड़ी ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह मेरे पास आए और माफी मांगी।'

उन्होंने आगे बताया कि कोलकाता टेस्ट के दौरान जब उन्हें 'बौना' कहा गया था, उस वक्त उन्हें मैदान पर यह सुनाई नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, 'जब माफी मांगी गई, तब मैं यह नहीं जानता था कि बात किस बारे में है। मुझे अपनी मीडिया मैनेजर से पूछना पड़ा कि मामला क्या था।' उन्होंने यह भी कहा, 'मैदान पर कही गई बातें वहीं रह जाती हैं, लेकिन आप उन्हें भूलते नहीं हैं। आप उन्हें प्रेरणा और ऊर्जा के तौर पर इस्तेमाल करते हैं, हालांकि कोई निजी रंजिश नहीं रहती।'

कॉनराड की 'ग्रोवेल' टिप्पणी पर क्या बोले बावुमा?

इसके बाद बावुमा ने गुवाहाटी टेस्ट के दौरान कोच शुक्री कॉनराड के 'ग्रोवेल' (घुटने टेकने) वाले बयान पर भी अपनी राय रखी। कॉनराड के इस बयान की तुलना अतीत में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान टोनी ग्रेग की नस्लीय संदर्भ वाले बयान से की गई थी। बाद में कॉनराड ने इस पर माफी भी मांगी। बावुमा ने कहा, 'शुक्री के 'ग्रोवेल' वाले बयान को लेकर भी काफी चर्चा हुई। वहां की मीडिया ने मुझ पर दबाव डाला कि मैं इस पर सफाई दूं। मुझे लगा कि शुक्री ही सही व्यक्ति हैं जो इसका संदर्भ समझा सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'पहली बार जब मैंने यह सुना, तो यह कड़वा लगा। लेकिन यह भी दिखाता है कि टेस्ट सीरीज कितनी कठिन और प्रतिस्पर्धी थी। बाद में शुक्री ने कहा कि वे कोई और बेहतर शब्द चुन सकते थे, और मैं उनसे सहमत हूं।'

भारत में खेलने के अनुभव पर बात करते हुए बावुमा ने कहा कि वह पहले से जानते थे कि यह दौरा मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने आगे कहा, 'आप खुलकर मानना नहीं चाहते, लेकिन अतीत के कुछ जख्म अब भी मौजूद रहते हैं। आप बस यही चाहते हैं कि वे दोबारा न खुलें।

विजय हजारे में कीर्तिमान का दिन: 39 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

एबीडी भी पीछे छूटे; वैभव के बाद गनी-ईशान का धमाका

नई दिल्ली। 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी में 36 गेंदों में शतक जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में चौथा सबसे तेज शतक लगाया। उन्होंने 54 गेंदों में 150 रन बनाकर एबी डिविलियर्स का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और पुरुष लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में आज का दिन यानी 24 दिसंबर, भारतीय घरेलू क्रिकेट के इतिहास में बेहद खास बन गया। कुछ ही घंटों के भीतर एक के बाद एक ऐसे रिकॉर्ड बने, जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। शुरूआत 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुई, जिन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सिर्फ 36 गेंदों में शतक लगाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया, लेकिन यह रिकॉर्ड ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सका। उसी मैच में बिहार के कप्तान सकीबुल गनी ने इससे भी तेज बल्लेबाजी करते हुए महज 32 गेंदों में शतक ठोक दिया और लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक अपने नाम कर लिया।

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ फ्लॉप रहने के बाद वैभव पर सवाल उठे थे। फाइनल में 26 रन पर आउट होने और मैदान पर भावनात्मक प्रतिक्रिया के कारण उनकी मैच्योरिटी पर भी बहस हुई। लेकिन विजय हजारे ट्रॉफी में उनका बल्ला बोला और सारी आलोचनाओं को जवाब दे दिया। रांची में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार को तेज शुरूआत दिलाने वाले वैभव ने शुरू से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया।

वैभव ने 190 और गनी ने 128* रन की पारी खेली

अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में बिहार की बल्लेबाजी पूरी तरह हावी नजर आई। पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 50 ओवर में छह विकेट पर 574 रन ठोक दिए, जो लिस्ट-ए क्रिकेट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इस ऐतिहासिक पारी की शुरूआत वैभव सूर्यवंशी ने की, जिन्होंने 84 गेंदों पर 190 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। वैभव के अलावा आयुष लोहारुका ने 56 गेंदों में 116 रन बनाए, जबकि पियूष सिंह ने 77 रनों का अहम योगदान दिया। हालांकि इस महाविस्फोटक स्कोर में सबसे ज्यादा सुर्खियां कप्तान सकीबुल गनी ने बटोरीं, जिन्होंने सिर्फ 40 गेंदों पर नाबाद 128 रन जड़े और 32 गेंदों में शतक पूरा कर इतिहास रच दिया। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और 12 छक्के लगाए।

ईशान किशन ने भी बना डाला रिकॉर्ड

इसी दिन विजय हजारे ट्रॉफी के एक अन्य मुकाबले में भी रिकॉर्ड्स की बारिश देखने को मिली। झारखंड और कर्नाटक के बीच खेले गए मैच में झारखंड के कप्तान ईशान किशन ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ईशान ने मात्र 33 गेंदों में शतक जड़ दिया, जो भारतीय घरेलू क्रिकेट के सबसे तेज शतकों में से एक है। उन्होंने 39 गेंदों पर 125 रन बनाए, जिसमें 14 छक्के और 7 चौके शामिल थे। उनकी इस पारी के दम पर झारखंड ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 412 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईशान का 33 गेंदों में शतक लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया दूसरा सबसे तेज शतक है। एक ही दिन में वैभव सूर्यवंशी, सकीबुल गनी और ईशान किशन के बल्ले से निकली इन ऐतिहासिक पारियों ने विजय हजारे ट्रॉफी को रिकॉर्ड्स का मैदान बना दिया।

36 गेंदों में शतक, इतिहास में चौथा स्थान

सकीबुल, ईशान और वैभव इस प्रदर्शन के साथ ओवरऑल लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। इस सूची में इन तीनों का नाम अफरीदी और मैक्सवेल जैसे दिग्गजों से ऊपर पहुंच गया है, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

सांसद खेल स्पर्धा में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

बरेली। बरेली के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल स्पर्धा 2025-26 में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

बरेली में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर मंगलवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में सांसद खेल स्पर्धा 2025-26 में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार और विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने किया। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा ने अतिथियों का बुके भेंट कर स्वागत किया।

कबड्डी प्रतियोगिता के सब-जूनियर बालक वर्ग में बिथरी चैनपुर विजेता और बरेली कैंट उपविजेता रहा। जूनियर बालक वर्ग में भोजीपुरा विजेता और बरेली सिटी उपविजेता रहा। सीनियर बालक वर्ग में मीरगंज प्रथम और आंवला द्वितीय, सब-जूनियर बालिका में शेखूपुर प्रथम व बिथरी चैनपुर दूसरे स्थान पर रहा। इसके साथ ही जूनियर बालिका वर्ग में बिथरी चैनपुर प्रथम और आंवला द्वितीय स्थान पर रहा। सीनियर बालिका वर्ग में आंवला विजेता और मीरगंज उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग में भोजीपुरा के अफजल और सीनियर बालक वर्ग में मीरगंज के सुमित को उनके सर्वश्रेष्ठ खेल प्रदर्शन के लिए सराहा गया।

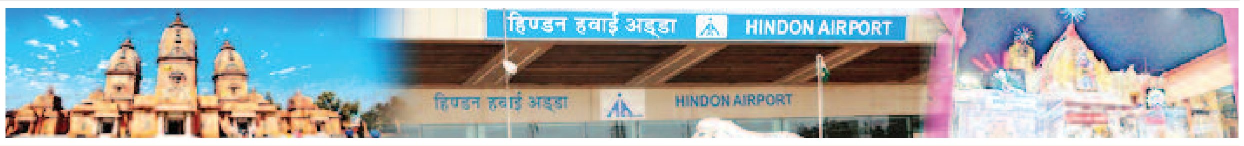

शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप 2026: लोगो लॉन्च के साथ तैयारियों का शंखनाद, 12 देशों के खिलाड़ी दिखाएंगे दम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शूटिंग बॉल के खेल को वैश्विक पटल पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से, शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया ने राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद स्थित सोहन रेस्टोरेंट एंड पार्टी हॉल में 'द्वितीय शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप' के आधिकारिक लोगो का भव्य अनावरण किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय शूटिंग बॉल फेडरेशन के अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एशियाई और राष्ट्रीय फेडरेशन के दिग्गजों की मौजूदगी ने आयोजन की महत्ता को रेखांकित किया।

फरवरी 2026 में सजेगा : मैदान प्रेस को संबोधित करते हुए शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जीत राज तोमर ने बताया कि द्वितीय वर्ल्ड कप का आयोजन 1 से 3 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली के ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में विश्व के लगभग 12 देशों की महिला और पुरुष टीमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति : कार्यक्रम के दौरान एशियाई शूटिंग बॉल फेडरेशन के महासचिव रविंद्र तोमर, फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अंजुल अग्रवाल, एशियन फेडरेशन के कोषाध्यक्ष जयप्रकाश कदीयान और कार्यकारी सदस्य डॉ. ओपी माचरा ने खेल के विस्तार पर चर्चा की।

साथ ही मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी, उत्तर प्रदेश एसोसिएशन के चेयरमैन अजय पाल प्रमुख, समाजसेवी अमरजीत सिंह बिड्डी और भारतीय टीम के कप्तान सुरेश बिश्नोई सहित कई जिला पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

खेल के प्रति उत्साह लोगो के अनावरण के साथ ही भारत में इस बड़े खेल आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि यह वर्ल्ड कप न केवल खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच प्रदान करेगा, बल्कि भारत में शूटिंग बॉल की लोकप्रियता को भी नई दिशा देगा।

रील्स के चक्कर में जान पर खेल... मोदीनगर में सड़क पर कार ड्रिफ्टिंग, वीडियो वायरल

मोदीनगर करंट क्राइम। रील्स बनाने के चक्कर में लोग अपनी जान जोखिम में डालने से बाज नहीं आ रहे हैं। अब मोदीनगर से भी ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है। यहां मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ रोड पर एक युवक सड़क के बीच में कार से ड्रिफ्टिंग करता दिख रहा है।

दूसरा युवक सड़क पर अपनी कार रोककर, सनरूफ खोलकर अपने मोबाइल फोन से कार के ड्रिफ्टिंग स्टंट को रिकॉर्ड कर रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो करीब बीस सेकंड का है और इसे शान सैफी के इंस्टाग्राम अकाउंट से अपलोड किया गया है।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो मोदीनगर में मोदी स्टील के पास का है। रात के समय दोनों कारें सड़क के बीच में खड़ी हैं। एक युवक सनरूफ खोलकर वीडियो बना रहा है, जबकि दूसरा युवक दूसरी कार में पार्किंग लाइट जलाकर स्टंट कर रहा है। वह कार को ड्रिफ्ट करता है और फिर उसे उल्टी दिशा में पार्क कर देता है।

बैकग्राउंड में तेज म्यूज़िक भी बज रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो का पुलिस ने संज्ञान लिया है। मोदीनगर के एसीपी ने बताया कि पुलिस वीडियो के आधार पर कार चालक का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

भाजपा पूर्व पार्षद तेजपाल सिंह राणा ने उत्तर प्रदेश के सप्लीमेंट्री बजट की सरहाना की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का किया आभार व्यक्त, कहा – बजट से आम लोगों को मिलेगा फायदा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के पूर्व पार्षद तेजपाल सिंह राणा ने उत्तर प्रदेश के सप्लीमेंट्री बजट पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सरकार जो सप्लीमेंट्री बजट लाई है, उसका मकसद यही है कि पहले से चल रही योजनाओं में अगर कहीं फंड की कमी हो तो उसे पूरा किया जा सके।

तेजपाल सिंह राणा ने बताया कि कई बार अलग-अलग योजनाओं के लिए पैसा पहले से अलॉट किया जाता है, लेकिन विकास कार्य पूरे करने के लिए कभी-कभी वो रकम पर्याप्त नहीं होती। ऐसे में अनुपूरक बजट लाकर यह सुनिश्चित किया जाता है कि योजनाओं को पूरा किया जा सके और जनता को उसका फायदा मिल सके।

तेजपाल सिंह राणा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने ये बजट इसलिए लाई है ताकि विकास कार्यों में तेजी आए। यह 25 करोड़ जनता के हित में है।

इस बजट से सड़कों, विश्वविद्यालयों और अन्य विकास कार्यों में जो रुकावटें थीं या जिनमें धन की कमी थी, उन्हें पूरा किया जा सकेगा। तेजपाल सिंह राणा ने जोर देकर कहा कि अनुपूरक बजट सिर्फ कागज पर पैसा नहीं है, बल्कि इसका सीधा फायदा आम जनता तक पहुंचता है। उत्तर प्रदेश की जनता को बजट के रूप में सौगात देने के लिए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मुख्य विकास अधिकारी और रेड क्रॉस सोसाइटी ने दिव्यांगजनों को बांटे कंबल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल जी एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों द्वारा विकास भवन में जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कंबल वितरण किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने स्वयं एक-एक दिव्यांगजन के पास जाकर कंबल भेंट किये। इस अवसर पर दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी अंशुल चौहान, रेड क्रॉस सोसाइटी की सचिव डॉक्टर किरण गर्ग, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, डॉक्टर बालिगा,

पूनम शर्मा तथा रिचा बल्लभ उपस्थिति रहीं। जरूरतमंद दिव्यांग जनों के चेहरे पर कंबल पाकर खुशी की लहर दौड़ गई।

रेड क्रॉस सोसायटी गाजियाबाद समय-समय पर जरूरतमंद एवं कमजोर वर्ग के व्यक्तियों को विभिन्न माध्यमों से सहायता पहुंचाने का प्रयास करती है। इसी क्रम में रेड क्रॉस सोसायटी गाजियाबाद के अध्यक्ष,जिलाधिकारी गाजियाबाद रविंद्र कुमार मादंड़ ने गत सप्ताह रात्रि भ्रमण के दौरान कंबल वितरण किये थे। सचिव डॉक्टर किरण करने बताया कि बारिश के मौसम में तारपोलिन तथा स्टील के बर्तनों का भी वितरण पूर्व में किया गया था जिसके लिए बाढ़ ग्रस्त इलाकों के लोगों ने रेड क्रॉस सोसाइटी का धन्यवाद किया।

एमएमजी अस्पताल में 24 घंटे में 2 महिला मरीज मृत घोषित, लोगों में मचा हड़कंप

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद में जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में पिछले 24 घंटे में दो महिला मरीजों को मृत घोषित किया गया हैं। इनमें विजयनगर की रहने वाली 67 वर्षीय मीना देवी को हृदय रोग के चलते बेहोशी की हालत में भर्ती कराया गया था।

बजरिया की रहने वाली 52 वर्षीय महिला मोनिका प्रियदर्शी को सार्टेज आफ ब्रीथिंग (एसओपीबी) के चलते अचेत अवस्था में भर्ती कराया गया।

चिकित्सकों का कहना है कि दोनों को मृतावस्था में लाया गया था। जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया। सर्दी और वायु प्रदूषण बढ़ने पर सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी व इमरजेंसी में सांस लेने में परेशानी, निमोनिया, खांसी और गले में खरास के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कमर दर्द और जोड़ों के दर्द के मरीज भी बढ़ रहे हैं।

जिला एमएमजी अस्पताल, संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल और डूंडाहेड़ा अस्पताल की ओपीडी में मंगलवार को 3418 मरीज पहुंचे इसके अलावा 458 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई। इनमें 131 को पहली डोज लगाई गई हैं। इनमें 42 बच्चे भी शामिल हैं। सबसे अधिक जिला एमएमजी अस्पताल में 325 लोग एआरवी लगवाने पहुंचे।

वहीं, इनमें सौ को पहली और शेष को दूसरी व तीसरी डोज लगाई गई। इनमें 22 बच्चे भी शामिल रहे। संयुक्त अस्पताल में कुल 133 लोगों ने एआरवी लगवाई। इनमें 31 को पहली डोज लगाई गई। 20 बच्चे भी शामिल रहे।

जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर खुशियों की धूम

छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर मनाया उत्सव

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा स्थित जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (जीआईएमएस) में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर भव्य एवं उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर को क्रिसमस की थीम पर भव्य रूप से सजाया गया था। कार्यक्रम में सांता क्लॉज की विशेष उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही। सांता द्वारा उपहार वितरण ने छात्रों में खास उत्साह भर दिया। छात्रों ने सांता के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और इस पल को यादगार बनाया। इस अवसर पर जीआईएमएस संस्थान के सीईओ स्वदेश कुमार सिंह ने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। जीआईएमएस परिवार सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

कॉलेज प्रशासन ने भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे, सद्भाव और सहयोग की भावना को बनाए रखने की अपील की। छात्रों ने इस आयोजन को अत्यंत यादगार बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम उन्हें तनावमुक्त करते हैं और आपसी संबंधों को मजबूत बनाते हैं। इस प्रकार, जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में आयोजित क्रिसमस की पूर्व संध्या का यह भव्य आयोजन सभी के लिए आनंद, उल्लास और नई ऊर्जा का स्रोत बना।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने मुरादनगर के ग्यासपुर में ली संगठन की बैठक

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने बुधवार को मुरादनगर ब्लॉक के ग्यासपुर गांव में संगठन की एक बैठक ली। बैठक में उन्होंने आकाश त्यागी को ग्यासपुर मंडल का अध्यक्ष चयन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 2027 का चुनाव प्रदेश और कांग्रेस के लिए बेहद अहम है।

प्रदेश के गौरवशाली इतिहास को फिर से कायम करने के लिए कांग्रेस का सत्ता में आना बेहद जरूरी है। कांग्रेस में समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की क्षमता है। इस मौके पर ग्यारपुर गांव से स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले परिवारों के सदस्यों का सम्मान किया गया। इन परिवार के सदस्यों ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री संजीव शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी

नेता देवदत्त त्यागी, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, कोषाध्यक्ष अश्वनी त्यागी, मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन ग्राम प्रधान सुरेंद्र त्यागी ने किया।

पूर्व डीजीएम से शेयर ट्रेडिंग में निवेश करा 17.55 लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद करंट क्राइम। साइबर ठगों ने बीएसएनएल के सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक (डीजीएम) से शेयर ट्रेडिंग में फर्जी ग्रुप में निवेश कराकर 11.55 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने फाइनेंस विशेषज्ञ बताने वाले नादिर वर्मा और अमेरिका की एक बहुराष्ट्रीय निवेश कंपनी में महाप्रबंधक बताने वाली लीला को नामजद कर साइबर ठगों के खिलाफ तहरीर दी है।

एडीसीपी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि ट्रांस हिंडन क्षेत्र के वैशाली में रहने वाले केंद्र सरकार के पेंशनभोगी तेजपाल सिंह के मुताबिक 23 अक्तूबर 2025 को उन्हें व्हाट्सअप पर मैसेज भेजा गया। इसमें डी मार्केट वोलैटिलिटी रिसर्च ग्रुप में शामिल होने का लिंक था। इस ग्रुप में प्रतिदिन शाम के सात बजे खुद को शेयर बाजार का विशेषज्ञ बताने वाले नादिर वर्मा ग्रुप से जुड़े 160 सदस्यों को शेयर बाजार की बारीकियों के बाबत जानकारी देते थे।

उन्होंने बताया कि जानकारी के अभाव में शेयर ट्रेडिंग में नुकसान होने का दावा किया। साथ ही एक ब्रोकर से जुड़ने और 300 से 500 प्रतिशत मुनाफा कमाने का दावा किया। इनके साथ खुद को अमेरिका की एक बहुराष्ट्रीय निवेश कंपनी में महाप्रबंधक और प्जेना ग्रुप की सदस्य लीला को ग्रुप में जुड़ने वालों के लिए अधिकृत किया।

लीला ने आमंत्रण कोड भेजा और सत्यापन कर उन्हें प्जेना ग्रुप से जोड़कर निवेश करने का दबाव बनाया। एसबीआई और एक्सिस बैंक से उन्होंने 17 लाख 55 हजार रुपये निवेश किए। दोनों आरोपियों का दावा था कि वह भारतीय और अमेरिकी शेयरों में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने आईपीओ दिसंबर माह में लॉन्च होने का दावा किया। दिसंबर के पहले सप्ताह में पीड़ित सहित 40-50 सदस्यों को दूसरे ग्रुप से जोड़ा और बताया कि भारतीय शेयर बाजार पर उनकी नई पुस्तक का विमोचन जनवरी 2026 को होगा। इसकी एवज में बड़ी धनराशि निवेश करने का दबाव बनाया गया। विरोध करने पर पीड़ित को दूसरे ग्रुप से जोड़ दिया गया। एसीपी ने बताया कि पीड़ित से 17.55 लाख रुपये निवेश कराकर साइबर ठगों ने ठगी कर ली। पीड़ित ने कुछ स्क्रीन शॉट और बैंक ट्रांजक्शन का के सुबूत मुहैया कराए हैं। जांच की जा रही है, जल्द ही साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा इंदिरापुरम में पिज्जा दुकान का उद्घाटन किया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा ने इंदिरापुरम के शक्ति खंड 2 में पिज्जा दुकान का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस दुकान में हर प्रकार के फास्ट फूड आइटम उपलब्ध रहेंगे। अमरपाल शर्मा ने दुकान के प्रोपराइटर को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह दुकान क्षेत्र के लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प होगा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पॉलिटिक्स में कनेक्टिविटी और एक्टिविटी का सुपर कांबिनेशन कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के पास है। वह जानते हैं की सियासत में एक-एक पल का किस तरह से इस्तेमाल करना है। शीतकालीन सत्र और सत्र के बीच समय मिलते ही उसका सदुपयोग प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल जी से मुलाकात में हुआ। मुलाकात के इस पल को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। यह मुलाकात वाली पोस्ट बनी है करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

दिल्ली-एनसीआर को बड़ी सौगात, मेट्रो विस्तार से नोएडा-फरीदाबाद के राहगीरों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को दिल्ली मेट्रो विस्तार परियोजना को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 12,015 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। कैबिनेट से मंजूर की गई नई परियोजनाओं से नोएडा-फरीदाबाद वाले सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही गुड़गांव और दिल्ली आने में भी उन्हें आसानी होगी। दिल्ली मेट्रो के तीन नए कॉरिडोर का पूरा रूट आने वाले समय में मेट्रो से यात्रा करने वालों की राह आसान करेंगे और प्रदूषण को कम करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि फरीदाबाद से गुड़गांव लाइन को लेकर स्टडी की जा रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के तहत सभी कर्तव्य भवनों से कनेक्टिविटी करने की तैयारी है। इससे

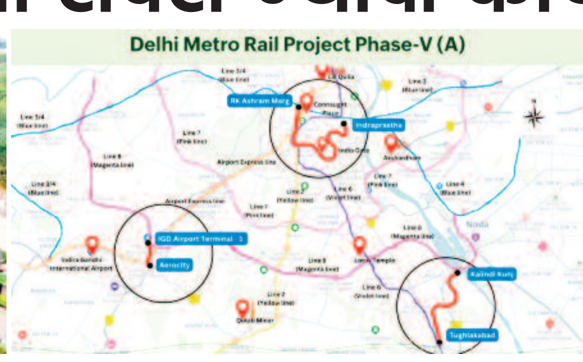

इस इलाके में ऑफिस जाने वालों और विजिटरों को भवन के दरवाजे तक पहुंच की सुविधा मिलेगी। इस कनेक्टिविटी से रोजाना लगभग 60 हजार कार्यालय जाने वाले और 2 लाख विजिटर लाभान्वित होंगे।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इसके तहत आरके आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी) का विस्तार किया जाएगा। ये सभी कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो के चरण 5(ए) परियोजना के अंतर्गत आते हैं, जिसकी कुल लंबाई 16.076 किमी है और इससे दिल्ली में कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।

इस बीच में केंद्रीय मंत्री वर्ष 2014 के मेट्रो की स्थिति के साथ ही वर्तमान तक हुए विस्तार पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बबताया कि कैबिनेट ने बैठक में 13 नए मेट्रो स्टेशन के निर्माण को हरी झंडी दी है। इनमें से 10 अंडग्राउंड और 3 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में करीब तीन वर्ष का समय लगेगा। 16 किमी लंबी इस परियोजना का निर्माण करने के लिए 12,015 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इस निर्माण के साथ ही मेट्रो का जाल 400 किमी तक फैला जाएगा।

बता दें कि नए कॉरिडोर से दिल्ली में आम हो चा के खराब एक्यूआई को भी सुधारने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इंद्रप्रस्थ स्टेशन को आर के आश्रम स्टेशन को जोड़ने के लिए जो नई लाइन बनेगी, इसी लाइन पर नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को जोड़ा जाएगा। नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को संग्रहालय में बदले जाने की भी तैयारी है। इसे युगे युगीन भारत संग्रहालय कहा जाएगा। इसी लाइन पर कर्तव्य भवनों को भी जोड़ा जाएगा। इससे सड़कों पर भीड़ कम होगी।

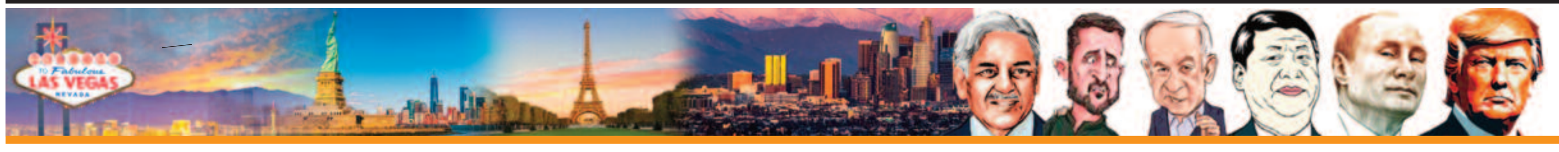

'चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा'

उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप

ढाका। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला: ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

बांग्लादेश के छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या पर सियासत गरमा गई है। मृतक के भाई ने अंतरिम यूनुस सरकार पर चुनाव को पटरी से उतारने के लिए हत्या कराने का बड़ा आरोप लगाया है।

यूनुस सरकार को चेतावनी: ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली

गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई।

2024 के आंदोलन का अहम चेहरा थे उस्मान हादी

उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था, जहां वे फिलहाल निर्वासन में हैं।

कम उम्र की लड़कियों में दिलचस्पी, एपस्टीन-नासर पत्र में ट्रंप का नाम; न्याय विभाग का खंडन

वॉशिंगटन। जेफरी एपस्टीन से जुड़ा एक कथित पत्र, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिया गया था, अमेरिकी न्याय विभाग ने फर्जी बताया है। यह पत्र हजारों दस्तावेजों के साथ सार्वजनिक किया गया था।

कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को लेकर अमेरिका में एक बार फिर हलचल मच गई है। अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) ने मंगलवार को एपस्टीन से संबंधित हजारों अतिरिक्त फाइलें सार्वजनिक कीं, जिनमें एक कथित पत्र भी शामिल था। इस पत्र में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेकर आपत्तिजनक संदर्भ दिया गया था। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद न्याय विभाग ने साफ कर दिया कि यह पत्र फर्जी है। न्याय विभाग ने अपने बयान में कहा कि इस कथित पत्र में किए गए दावे तथ्यात्मक नहीं हैं और इसे किसी भी तरह से प्रमाणिक नहीं माना जाना चाहिए।

इस पत्र के सार्वजनिक होने के बाद यह सवाल भी उठे कि बिना पुष्टि के ऐसे दस्तावेज सामने आने से भ्रम फैल सकता है।

यह पत्र कथित तौर पर 13 अगस्त 2019 का बताया गया था, जब जेफरी एपस्टीन जेल में बंद था। पत्र लैरी नासर के नाम लिखा गया बताया गया, जो अमेरिका की महिला जिमनास्टिक टीम के डॉक्टर रहते हुए सैकड़ों लड़कियों के यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। कथित पत्र में यह दावा किया गया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जवान लड़कियों के लिए उनका प्यार शेयर करते हैं। लेटर में लिखा है 'प्रिय एल.एन., जैसा कि आप अब तक जानते हैं, मैंने घर के लिए छोटा रास्ता लिया है। गुड लक! हमने एक चीज शेयर कीह्ल जवान लड़कियों के लिए हमारा प्यार और देखभाल और यह उम्मीद कि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचेंगी। पत्र में आगे लिखा था 'जब कोई जवान सुंदरी पास से गुजरती थी तो उसे ह्यहड़पनाह्व पसंद था, जबकि हम सिस्टम के मेस हॉल में खाना छीनते थे। जिंदगी गलत है।'

न्याय विभाग ने क्यों कहा पत्र फर्जी: पत्र सार्वजनिक होने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने बयान जारी कर स्पष्ट किया कि यह दस्तावेज नकली है। विभाग ने कहा यह फर्जी पत्र इस बात की याद दिलाता है कि सिर्फ किसी दस्तावेज का सार्वजनिक होना यह साबित नहीं करता कि उसमें किए गए दावे सच हैं।

न्याय विभाग ने यह भी कहा कि कानून के तहत जरूरी सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाते रहेंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनमें मौजूद हर आरोप या दावा तथ्यात्मक हो।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय गिरफ्तार, बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने हाईवे से पकड़ा

वॉशिंगटन। अमेरिका में बॉर्डर पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे 30 भारतीयों को पकड़ा है। पकड़े गए लोग अमेरिका में ट्रक चला रहे थे, जिन्हें हाल ही में हुई दुर्घटनाओं के बाद गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका की बॉर्डर पेट्रोल पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीयों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोग अमेरिका में कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस लेकर ट्रक चला रहे थे।

बॉर्डर पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत इन लोगों को पकड़ा। यूएस कस्टम और बॉर्डर प्रोटेक्शन विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने कैलिफोर्निया के अल सेंट्रो सेक्टर में 49 अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों के पास से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस मिले हैं।

पकड़े गए लोगों में से अधिकतर भारतीय: कस्टम एजेंसी ने बताया कि अप्रवासन चेक पॉइंट पर जांच के दौरान ये लोग पकड़े गए। कस्टम विभाग ने बताया कि 23 नवंबर से 12 दिसंबर तक चले अभियान में कुल 42 अवैध अप्रवासी पकड़े गए हैं, जो कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर ट्रक चला रहे थे।

पकड़े गए लोगों में से 30 भारतीय नागरिक हैं। वहीं दो लोग अल सल्वाडोर के और बाकी चीन, एरीट्रिया, हैती, होंडुरास, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्किये और यूक्रेन के निवासी हैं। आठ लाइसेंस फ्लोरिडा, इलिनोइस, इंडियाना, ओहायो, मैरीलैंड, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और वाशिंगटन ने जारी किए थे। अप्रवासन एजेंसी का ट्रक चालकों के खिलाफ ये अभियान कई घातक दुर्घटनाओं के बाद सामने आया है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों ने सड़क दुर्घटनाएं कीं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई।

राजमार्गों को सुरक्षित करना उद्देश्य: कस्टम एजेंसी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अप्रवासन कानून को लागू करना, अमेरिकी राजमार्गों को सुरक्षित करना और कमर्शियल परिवहन क्षेत्र में नियामक मानकों को बनाए रखना था।

अधिकारियों ने कहा, 'गिरफ्तार किए गए लोगों को कभी भी ये ट्रक नहीं चलाने चाहिए थे, और जिन राज्यों ने उन्हें कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस जारी किए हैं, वे हाल ही में हमने दुखद रूप से देखी गई घातक दुर्घटनाओं के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।

नये साल में फार्ड-जीएम कर रही हैं मजबूती के साथ एंट्री

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों और ईवी-विरोधी रुख ने डेट्रॉइट की कंपनियों को अप्रत्याशित राहत दी। शुरूआती झटकों के बाद टैरिफ में ढील और ईंधन दक्षता नियमों में नरमी ने फोर्ड और जीएम को संभलने का मौका दिया।

साल 2025 अमेरिकी ऑटो इंडस्ट्री के लिए राजनीति और कारोबार के असामान्य मेल का गवाह बना। व्हाइट हाउस की नीतियों का असर इतना गहरा रहा कि कार कंपनियों के शीर्ष अधिकारी खुले तौर पर राजनीतिक संकेत देते दिखे। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की लाल टोपी से लेकर जापान में एक रेस इवेंट में टोयोटा चेयरमैन अकीओ टोयोडा की राजनीतिक मौजूदगी तक, यह साफ हो गया कि ऑटो उद्योग का मूड काफी हद तक सत्ता के केंद्र से तय हो रहा है। ऐसे माहौल में फोर्ड और जनरल मोटर्स जैसी दिग्गज कंपनियां 2026 में मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश कर रही हैं। लेकिन यही मजबूती उनके लिए सबसे बड़ा खतरा भी बन सकती है।

बदलती ऑटो इंडस्ट्री बन सकती है सबसे बड़ा खतरा

ट्रंप युग में राहत और उछाल

डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों और ईवी-विरोधी रुख ने डेट्रॉइट की कंपनियों को अप्रत्याशित राहत दी। शुरूआती झटकों के बाद टैरिफ में ढील और ईंधन दक्षता नियमों में नरमी ने फोर्ड और जीएम को संभलने का मौका दिया। नतीजा यह रहा कि दोनों कंपनियों के शेयर बाजार में प्रदर्शन ने चार साल बाद पहली बार एसएंडपी 500 को पीछे छोड़ दिया। 2026 में अमेरिकी वाहन बिक्री के स्थिर रहने और पेट्रोल-डीजल इंजनों पर बढ़ते भरोसे ने इनके मुनाफे की उम्मीदें और बढ़ा दी हैं।

गौरतलब है कि डेट्रॉइट अमेरिका के मिशिगन राज्य का एक प्रमुख शहर है। जो अपनी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए मशहूर है।

निवेशकों की ठंडी प्रतिक्रिया

हालांकि बाहरी हालात अनुकूल दिख रहे हैं, लेकिन निवेशकों का नजरिया अब भी सतर्क है। फोर्ड और जीएम के शेयर सस्ते मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं, जो यह संकेत देता है कि बाजार इस अच्छे दौर को अस्थायी मान रहा है। वजह साफ है कि इन कंपनियों की मौजूदा सफलता नीतिगत सुरक्षा पर टिकी है, न कि दीर्घकालिक तकनीकी बढ़त पर।

ऑटो उद्योग में असली चुनौती बाहर से आ रही है। चीन की कार कंपनियां न सिर्फ अपने घरेलू बाजार में विदेशी ब्रांड्स को पीछे छोड़ रही हैं। बल्कि उन देशों में भी तेजी से फैल रही हैं जहां व्यापारिक बाधाएं कम हैं। इलेक्ट्रिक वाहन लगातार सस्ते और बेहतर हो रहे हैं और अमेरिका से बाहर कई बाजारों में उनकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है।

साथ ही बैटरी, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोनॉमस ड्राइविंग जैसी तकनीकें वाहन निर्माण और उपयोग के तरीके को बदल रही हैं।

पूंजी और नवाचार की दौड़

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बदलाव में सबसे अहम हथियार पूंजी है। नए खिलाड़ी बैटरी, चिप्स और सॉफ्टवेयर जैसी भविष्य की तकनीकों में उतना ही, बल्कि कई बार उससे ज्यादा निवेश कर रहे हैं जितना पारंपरिक दिग्गज कर पा रहे हैं। टेस्ला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसका बाजार मूल्य फोर्ड और जीएम दोनों को मिलाकर भी कई गुना ज्यादा है।

भारत से चीन की नजदीकी देख घबराया अमेरिका

वॉशिंगटन। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव में आई कमी को लेकर अमेरिका ने एक रिपोर्ट जारी की है। अमेरिका के रक्षा विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन इस शांति का फायदा उठाकर भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहता है और अमेरिका-भारत की बढ़ती नजदीकी को रोकने की कोशिश कर रहा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह रिपोर्ट सिर्फ आकलन है या इसके पीछे अमेरिका की कोई रणनीतिक चाल भी छिपी है।

अमेरिकी रक्षा विभाग की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2024 में भारत और चीन ने एलएसी पर बचे हुए टकराव वाले इलाकों से पीछे हटने का समझौता किया था। यह समझौता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुआ, जहां चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात हुई। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन, सीधी उड़ानों, वीजा सुविधा और लोगों के आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर बातचीत तेज हुई।

रिपोर्ट में अमेरिका का क्या कह रहा?

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम होने के बाद चीन इस स्थिति का लाभ उठाकर भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को स्थिर करना चाहता है और अमेरिका-भारत की बढ़ती नजदीकी को सीमित करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत चीन की मंशा को लेकर सतर्क बना हुआ है और आपसी अविश्वास के कारण रिश्तों में सीमाएं बनी रहेंगी। इस रिपोर्ट से साफ लग रहा है जैसे अमेरिका जानबूझकर दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्तें नहीं चाहता।

भारत-चीन करीब आए तो एशिया की ताकत बदलेगी

ऐसे में कहा जा सकता है कि अमेरिका की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अगर भारत और चीन वास्तव में करीब आ गए, तो एशिया में एक ऐसी बड़ी शक्ति उभर सकती है, जो अमेरिका के प्रभाव को चुनौती दे सके।

भारत की जनसंख्या, बाजार और रणनीतिक स्थिति, और चीन की आर्थिक व सैन्य ताकत अगर ये दोनों देश साथ आ गए, तो एशिया में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है।

अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन एलएसी पर तनाव कम होने का फायदा उठाकर भारत से रिश्ते सुधारना चाहता है। ऐसे में ये भी कहा जा सकता है कि अमेरिका भारत-चीन नजदीकी से चिंतित है, इसलिए इस रिपोर्ट को अमेरिका की रणनीतिक चाल के रूप में भी देखा जा सकता है।

शांति समझौते की कवायदों के बीच फंसा पेंच, झुकने को राजी नहीं जेलेंस्की

कीव। अमेरिका और यूक्रेन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 20 बिंदुओं की शांति योजना पर सहमति बना ली है। हालांकि, पूर्वी यूक्रेन के क्षेत्रों पर नियंत्रण और जापोरिजिया परमाणु संयंत्र को लेकर मतभेद बने हुए हैं। यह प्रस्ताव रूस को सौंप दिया गया है और अब मॉस्को के जवाब पर आगे की शांति प्रक्रिया निर्भर करेगी।

करीब चार साल से जारी यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक अहम कूटनीतिक पहल सामने आई है। अमेरिका और यूक्रेन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति के करीब पहुंच गए हैं, लेकिन यूक्रेन के पूर्वी इलाकों पर नियंत्रण और जापोरिजिया परमाणु बिजली संयंत्र को लेकर मतभेद अब भी बने हुए हैं।

जेयह मसौदा हाल के दिनों में फ्लोरिडा में हुई लंबी बातचीत के बाद तैयार हुआ है। इस योजना को रूस के सामने रखा गया है और मॉस्को से जवाब की उम्मीद की जा रही है।

20 सूत्रीय योजना पर सहमति

जेलेंस्की ने बताया कि प्रस्तावित योजना में सुरक्षा, आर्थिक पुनर्निर्माण और राजनीतिक स्थिरता से जुड़े कई बिंदु शामिल हैं।

इसमें युद्धविराम, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने के उपायों पर सहमति बनी है। अमेरिका और यूक्रेन का मानना है कि इन कदमों से लंबे समय से जूझ रहे संघर्ष को निर्णायक मोड़ मिल सकता है।

पूर्वी क्षेत्रों पर मतभेद बरकरार

यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र, जहां लंबे समय से संघर्ष चल रहा है, वहां क्षेत्रीय नियंत्रण को लेकर कोई अंतिम सहमति नहीं बन सकी है। जेलेंस्की ने साफ किया कि यूक्रेन अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा।

परमाणु संयंत्र बना चुनौती

यूरोप के सबसे बड़े इस परमाणु संयंत्र की सुरक्षा और संचालन को लेकर अभी समाधान नहीं निकल पाया है। यूक्रेन चाहता है कि यह संयंत्र पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय निगरानी में रहे, ताकि किसी भी तरह का परमाणु खतरा न पैदा हो।

रूस के जवाब पर टिकी निगाहें

जेलेंस्की ने कहा कि अब गेंद रूस के पाले में है। अमेरिका ने यह प्रस्ताव रूसी वातार्कारों को सौंप दिया है और जल्द ही प्रतिक्रिया आने की उम्मीद है। यदि रूस सकारात्मक रुख दिखाता है तो शांति वार्ता को आगे बढ़ाया जा सकता है, अन्यथा संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।

ललित मोदी-विजय माल्या का लंदन में पार्टी करते वीडियो

लंदन। विजय माल्या और ललित मोदी का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में ललित मोदी ने खुद को और विजय माल्या को भारत के सबसे बड़े भगोड़े बताया है। दोनों लंबे समय से विदेश में रह रहे हैं और कई कोशिशों के बाद भी दोनों को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है।

भारत को दो सबसे बड़े भगोड़े ललित मोदी और विजय माल्या लंदन में ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं। काफी कोशिशों के बाद भी दोनों को अब तक भारत नहीं लाया जा सका है। अब आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर तंज कसा है। जिसके बाद यह वीडियो खूब देखा जा रहा है। इस वीडियो में ललित मोदी और विजय माल्या लंदन में पार्टी करते नजर आ रहे हैं।

ललित मोदी ने कसा तंज

इतना ही नहीं इस वीडियो में ललित मोदी हंसते हुए कह रहा है कि हम दोनों भगोड़े हैं, भारत के सबसे बड़े भगोड़े। इस दौरान वीडियो में विजय माल्या और उसकी पत्नी भी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ललित मोदी ने लिखा 'चलो फिर से इंटरनेट हिला देता हूं। खासकर आप मीडिया वालों के लिए, जलन के साथ देखते रहिए।' इसके साथ ही ललित मोदी ने हंसते हुए इमोजी भी पोस्ट किए हैं। साफ है कि ललित मोदी ने भारतीय एजेंसियों पर तंज कसा है और मजाक उड़ाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह वीडियो 22 दिसंबर को विजय माल्या की जन्मदिन पार्टी का है।

बांग्लादेश में मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं कट्टरपंथी

ढाका। बांग्लादेश में लोकतंत्र की जड़ों को उखाड़ने के लिए कट्टरपंथी मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। हाल के दिनों में कई मीडिया संस्थानों के कार्यालयों में आग लगा दी गई और कई पत्रकारों पर हमले हुए। अब एक और चैनल की वरिष्ठ पत्रकार नाजनीन मुन्नी को भी धमकी दी गई है।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में कट्टरपंथी बेलगाम हैं और पूरे देश में अराजकता और हिंसा का माहौल है। कट्टरपंथी बांग्लादेश के लोकतंत्र को तबाह करने पर तुले हैं और इसके लिए वे स्वतंत्र मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। जो भी मीडिया संस्थान या पत्रकार बांग्लादेश के मौजूदा हालात और कट्टरपंथियों के खिलाफ बात करता है, उसे निशाना बनाया जा रहा है। अब कट्टरपंथियों के निशाने पर आईं हैं बांग्लादेश की वरिष्ठ पत्रकार नाजनीन मुन्नी। कट्टरपंथियों ने ग्लोबल टीवी को धमकी दी है कि अगर उन्होंने 48 घंटे के भीतर नाजनीन मुन्नी को नौकरी से नहीं निकाला तो वे ग्लोबल टीवी के दफ्तर में भी आग लगा देंगे।

छात्र आंदोलन के सदस्यों ने दी धमकी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीती 21 दिसंबर को कई युवाओं का एक समूह ढाका स्थित ग्लोबल टीवी के दफ्तर पहुंचा था। इन लोगों ने चैनल के एमडी अहमद हुसैन से मुलाकात की और मांग की कि चैनल की न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी को तुरंत नौकरी से निकाला जाए। युवाओं के इस समूह ने खुद को एंटी डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट के सदस्य बताया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन लोगों ने धमकी दी कि अगर मुन्नी को नौकरी से नहीं निकाला गया तो वे चैनल के ऑफिस को आग लगा देंगे, जिस तरह से प्रोथोम अलो और द डेली स्टार के कार्यालयों में लगाई गई थी। गौरतलब है कि छात्र नेता उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और कट्टरपंथियों ने प्रोथोम अलो और द डेली स्टार के कार्यालयों में समेत कई इमारतों में आग लगा दी थी। छात्रों का दावा है कि नाजनीन मुन्नी शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की समर्थक हैं। हालांकि मुन्नी ने इन दावों का खंडन किया है।

जिस वक्त चैनल को धमकी दी जा रही थी, उस वक्त नाजनीन मुन्नी ऑफिस में नहीं थीं। बाद में नाजनीन मुन्नी ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चैनल को धमकी मिलने की पुष्टि की। मुन्नी ने कहा कि यह धमकी उसी पैटर्न का हिस्सा है, जिसके तहत पत्रकारों को डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि जमुना टीवी की संपादक रुखसाना अंजुमन निकोल को भी धमकी दी गई है।

छात्र संगठन ने किया इनकार

वहीं एंटी डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट के अध्यक्ष रिफत राशिद ने कहा है कि उनके संगठन के सदस्य बिना मंजूरी के चैनल को धमकाने पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि संगठन इसका समर्थन नहीं करता है। साथ ही धमकी देने वाले सदस्यों को कथित तौर पर कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि उनका संगठन पत्रकारों को डराने-धमकाने का समर्थन नहीं करता है।

बांग्लादेशी पत्रकार मुक्तादिर रशीद ने कहा 'राजनीतिक बदलाव लाना चाहते थे हादी'

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा और युवा नेता उसमान हादी की मौत ने राजनीतिक हालात को अस्थिर कर दिया है। पत्रकार मुक्तादिर रशीद के अनुसार चुनाव आयोग के अनुसार फरवरी 2026 में चुनाव तय समय पर होंगे, लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की अस्थिरता इसे प्रभावित करेगी?

बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों से जारी हिंसा ने पूरे देश में राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता पैदा कर दी है। ये हिंसा ऐसे समय में हो रही है जब बांग्लादेश में बीते कुछ महीनों से आम चुनाव की तैयारी शुरू हो गई थी, जिसके बाद अब सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या इस अस्थिरता के चलते फरवरी 2026 में होने वाला बांग्लादेश आम चुनाव टलेगा या फिर अपने निर्धारित समय से ही होगा। इसी बीच बांग्लादेशी पत्रकार मुक्तादिर रशीद ने चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। रशीद ने बताया कि बांग्लादेश में चुनाव फरवरी 2026 में चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समय पर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रमों ने

पूरे देश में भ्रम और चिंता बढ़ा दी है। विशेष रूप से युवा नेता उसमान हादी की मौत ने बांग्लादेश की राजनीति में तहलका मचा दिया है।

'राजनीतिक बदलाव लाना चाहते थे हादी'

न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान रशीद ने इस बात पर भी जोर दिया कि उसमान हादी देश में राजनीतिक बदलाव लाना चाहते थे और उनकी मृत्यु निश्चित रूप से बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव का कारण बनेगी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने न केवल राजनीति को झकझोरा है, बल्कि आम जनता और राजनीतिक दलों में भी भारी असर डाला है।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

गाजियाबाद में सम्मानित हुए कवि दिनेश रघुवंशी और शंभू शिखर

हर प्रसाद शास्त्री चैरिटेबल ट्रस्ट व डॉ. कुंअर बेचैन स्मृति न्यास का साहित्यिक आयोजन, पांच घंटे चला काव्य पाठ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। साहित्य प्रोत्साहन समिति की ओर से कवि नगर रामलीला मैदान स्थित जानकी सभागार में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि दिनेश रघुवंशी और हास्य कवि शंभू शिखर को सम्मानित किया गया। लगभग पाँच घंटे तक चले इस काव्य आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह में हर प्रसाद शास्त्री चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से दिनेश रघुवंशी तथा डॉ कुंअर बेचैन स्मृति न्यास की ओर से शंभू शिखर को शॉल, पुष्पमालाएँ और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में ट्रस्ट प्रतिनिधि वरुण गर्ग, प्रतीक सक्सेना, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री अशोक गोयल, पत्रकार विशाल कौशिक, अलख संस्था के संस्थापक रविंद्र चौहान, सतेंद्र सिंह और राकेश गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि आध्यात्मिक गुरु डॉ पवन सिन्हा ने पहली बार औपचारिक रूप से कवि के तौर पर काव्य पाठ किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। दिनेश रघुवंशी के गीत और मुक्तकों ने श्रोताओं की आँखें नम कर दीं, जबकि शंभू शिखर ने अपने हास्य से पूरे सभागार को ठहाकों से भर दिया।

कवि सम्मेलन में परवाज की शायरी हमेशा की तरह प्रभावशाली रही। डॉ अर्जुन सिसोदिया के ओजस्वी स्वर ने श्रोताओं में जोश भर दिया। युवा शायर यश शर्मा और कवयित्री पूजा चौहान की प्रस्तुतियों को भी भरपूर तालियाँ मिलीं। बुलंदशहर से आए शायर आलोक बेजान की शायरी ने कार्यक्रम को और ऊँचाई दी।

शायर राज कौशिक ने जहाँ अपनी शायरी से दाद बटोरी, वहीं पूरे कार्यक्रम का सशक्त संचालन भी किया। उन्होंने जितेंद्र कुमार, प्रगीत कुंअर एवं भावना कुंअर का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशों में रहकर भी गाजियाबाद में साहित्यिक आयोजनों को निरंतर जीवित रखना अत्यंत सराहनीय कार्य है। इस अवसर पर प्रतीक सक्सेना ने भी काव्य पाठ किया।

काव्य की गरिमा और परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं ऐसे आयोजनः रामावतार जिंदल

करंट क्राइम। रामावतार जिंदल, अध्यक्ष, साहित्य प्रोत्साहन समिति ने कहा कि गाजियाबाद की साहित्यिक परंपरा को सशक्त बनाए रखना समिति का सतत प्रयास है। कवि सम्मेलन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को संवेदना, संस्कार और सकारात्मक दृष्टि देने का माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय हर प्रसाद शास्त्री और डॉ कुंअर बेचैन की स्मृतियों से जुड़े ये आयोजन नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

पानी संकट पर महापौर सुनीता दयाल सख्त

जल निगम को दी सख्त चेतावनी

कहा, पानी की सप्लाई तुरंत बहाल की जाए

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वार्ड-7 आदर्श नगर, बिहारीपुरा कॉलोनी (विजय नगर) में पिछले करीब 10 दिनों से पानी की आपूर्ति बाधित रहने पर जनता ने महापौर से शिकायत की। समस्या लेकर पहुँचीं लगभग 50 महिलाएं और स्थानीय नागरिक महापौर आवास पर मिले और पानी न मिलने से हो रही परेशानियों से अवगत कराया। जनता की शिकायत पर महापौर सुनीता दयाल ने तुरंत अधिकारियों के साथ बैठक कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन फटने के कारण घरों तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है, जबकि कई दिनों से मरम्मत नहीं की गई। अधिकारियों से जानकारी लेने पर सामने आया कि यह इलाका सीएचए पार्ट-2, फेज-2 योजना के अंतर्गत आता है, जहां उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा पानी की टंकी, ट्यूबवेल और पाइपलाइन बिछाई गई थी तथा वर्तमान में पानी की सप्लाई जल निगम द्वारा ही की जा रही है।

इस पर महापौर ने जल निगम के सहायक अभियंता सौरभ कुमार से वार्ता कर स्पष्ट कहा कि सरकार योजनाओं पर धन खर्च कर रही है, इसके बावजूद जनता परेशान रहे–यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि पानी की सप्लाई तुरंत बहाल की जाए, अन्यथा जल निगम के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही महिलाओं ने चेतावनी दी कि समाधान न होने पर वे धरने पर बैठेंगीं।

इसके बाद महापौर ने नगर निगम के जीएम (जल) पी. आनंद, अधिशासी अभियंता (जल) आस कुमार, जल निगम के अवर अभियंता सुमित दिवाकर, मेहबूब खान और तकनीकी सुपरवाइजर नदीम को बुलाकर संयुक्त निरीक्षण कर समस्या के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

महापौर ने कहा कि जल निगम द्वारा योजनाएं पूरी होने के बाद नगर निगम को समय पर हस्तांतरण न करने से दिक्कतें आती हैं और इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निगम के साथ मिलकर सभी खामियां दूर कराई जाएं, अन्यथा संबंधित विभाग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड 98 में एसआईआर के साथ फार्म 6 पर जोरों पर कार्य, पार्षद डॉ. अनिल तोमर की टीम सक्रिय

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 98 में एसआईआर (सिस्टम ऑफ इम्प्रोव्ड रिवेन्यू) के साथ फार्म 6 पर पार्षद डॉ. अनिल तोमर अपनी टीम के साथ जोरों पर कार्य कर रहे हैं। पार्षद डॉ. अनिल तोमर का कहना है कि उनकी टीम वार्ड की हर सोसायटी में जाकर फार्म 6 पर कार्य कर रहे है।

पार्षद डॉ. अनिल तोमर ने बताया कि अहिंसा खंड 2 में 48 सोसाइटी हैं। इन सोसायटियों के कर फ्लैट में कार्यकर्ता जाकर फॉर्म 7 भरवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक अवार्ड में 800 के करीब फॉर्म भरवा दिए गए हैं, और हजारों फॉर्म लोगों को बांटे गए हैं। डॉक्टर अनिल तोमर ने कहा हमारा प्रयास यही रहेगा जितनी भी वार्ड की वोटिंग कटी है उससे ज्यादा 6 फॉर्म माध्यम से नई वोट बनवा जाए।

अटल जन्म शताब्दी पर भाजपा गाजियाबाद का स्वच्छता अभियान और दीपोत्सव

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर हुए कार्यक्रम

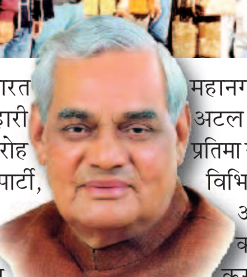

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, गाज़ियाबाद महानगर द्वारा बुधवार को विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता अभियान एवं दीपोत्सव प्रमुख रहे, जिनमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा शहर के नागरिकों ने सहभागिता की। प्रातः 9:30 बजे महानगर कार्यालय नेहरू नगर, अटल चौक, वसुंधरा, अटल प्रतिमा स्थल शालीमार गार्डन सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और अटल बिहारी वाजपेयी के स्वच्छ, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया। सायं 5:00 बजे विभिन्न स्थलों पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां दीप प्रज्वलन कर अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अटल जी का जीवन सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का उदाहरणः मयंक गोयल

करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपने विचारों, वाणी और कर्म से देश को नई दिशा दी। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जन्मशताब्दी के अवसर पर स्वच्छता अभियान और दीपोत्सव जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी अटल जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अटल जी का सपना आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित भारत का था, जिसे आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रमों में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने अटल जी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, उत्साह और सेवा भाव का वातावरण देखने को मिला।

स्वच्छता अभियान में प्रमुख रूप से उपस्थित

करंट क्राइम। पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोंगा, पूर्व अध्यक्ष सरदार एसपी सिंह, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, महानगर उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, ललित कश्यप, अश्वनी शर्मा, सचिन डेढ़ा, अमित रंजन, नीरज त्यागी, राहुल तोमर, विपिन चौधरी, अनीता शर्मा, ऋचा भदौरिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदियापार के किस मंडल में नहीं दिखाई दी एसआईआर के संयोजक को बैठक में कार्यकर्ताओं की बहार? क्यों बोले संयोजक कि यहां तो नहीं दिखाई दे रहे मंडल की टीम के भी पदाधिकारी? उन्होंने कहा कि 19 लोग तो मंडल की टीम में हैं और सैक्टर संयोजक वाली लिस्ट हुई है अलग से जारी? क्या उन्होंने कहा कि वसुन्धरा और इंदिरापुरम की बैठक में दिखाई दी थी यहां से भीड़ भारी? क्यों कहा संयोजक ने कि ये तो नहीं जुटा पाये मुश्किल से भी बीस लोग? अब क्या रहा सीन, आप ही लो सोच?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मेयर वाले चुनाव के बाद अब हाथी पर इन्वेस्ट करने से पहले कई चेहरे बरत रहे हैं पूरी केयर? सुना है बहनजी से मुलाकात करने की इच्छा वाले एक नेता ने कर दिया प्लान को आगे एक्सटेंड़? कहा कि 15 जनवरी के बाद ही मेरे पास है मुलाकात का टाईम? सुना है उन्होंने कह दिया किसी नेता से कि तुम नहीं जानते इनके यहां जनवरी के महीने में 15 तारीख से पहले मिलने का ट्रेंड? मुलाकात में ही बर्थडे का गिफ्ट ले लिया जायेगा एक दम हैंड–टू–हैंड?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आज अटल जन्म जयंती पर आप ध्यान से देखना टीम वाले पटल पर? वहां आपको दिखाई देंगे दो और दो मिलकर चेहरे एक दम 22? मगर ये 22 चेहरे नहीं रख रहे हैं दिल में अब फिर से रिपीट होने की ख्वाईश? सुना है 22 में से 20 नहीं दिखाई देते हैं भगवा योद्धा के साथ? यहां चल रही है वन प्लस वन वाली एक स्कीम? जिसमें दिखाई देते हैं केवल दो फेस? कहने वाले ने कहा कि टिकट के नजदीक आकर दूर रह जाने वाले कांत जी का है एक फेस? दूसरे चेहरे के रूप में त्यागी जी ने पकड़ रखी है डोर? इन दो के अलावा नहीं दिखता कोई ओर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि उस वाले मंडल के पूर्व प्रधान ने कह दी बातों ही बातों में एक बड़ी बात? उन्होंने कहा कि हम भले ही पूर्व हो गये हैं लेकिन आज भी सांसद प्रतिनिधि का फोन आता है हमारे पास? पूर्व वाले मंडल प्रधान ने कराया ये अहसास? लगता है नये वाले मंडल अध्यक्ष को या तो सांसद प्रतिनिधि जानते नहीं हैं या फिर उसका नम्बर ही नहीं है उनके पास?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि एसआईआर अभियान को लेकर सबसे सुस्त चल रही विधानसभा में अभी तक भी नहीं दिख रही है वो रफ्तार? क्षेत्रीय मंत्री जब बैठक लेने आये तो निकल ही आयी ये बात उनकी जुबान से बाहर? जब उन्होंने बैठक में मंडल अध्यक्ष की तलाश में दौड़ायी निगाह ईधर से उधर? तब किसी ने ठाकुर साहब के कान में बताया वो यहां नहीं है, वो गये हैं उधर? सुना है यह सुनते ही मीटिंग लेने आये ठाकुर साहब रह गये हैरान? कहने वाले ने कहा कि एसआईआर अभियान को लेकर सीएम तो हैं गम्भीर? मगर मंडल अध्यक्ष नहीं समझ रहे हैं वोट घटने की पीर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा योद्धा के कदमों से धन्य हो गयी किस मंडल अध्यक्ष की परचून वाली दुकान? सुना है मंडल वालों ने काफी गहरा अनुरोध किया था भगवा योद्धा से इस बात का? अगर आप मेरी परचून की दुकान पर पधारें तो बड़ा अहसान होगा आपका? सुना है एक पार्षद के पिता श्री की शोकसभा से लौटे भगवा योद्धा फिर नहीं कर सके इंतजार? परचून की दुकान पर पहुंचे योद्धा तो मंडल वालों ने पहनाया उनके गले में हार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि पार्षद एकता का नारा गूंज रहा है निगम में लगातार? सुना है एक क्रान्तिकारी पार्षद को सौंप दिये हैं आठ पार्षदों ने अपने ब्लैंक लैटर हैड करके अपने साईन? सुना है इन पत्रों को संभाल कर रखा गया है ताकि भविष्य में करेंगे हम कुछ फाईन? लैटर हैड में आयेगा कुछ तो ऐसा मैटर? कहने वाले ने कहा कि चलो ये पार्षद कम से कम उनसे तो निकले बैटर? जो ले गये थे थाने तक लैटर पैड का मैटर? कहने वाले ने कहा कि लैटर पैड को लेकर तो मचा था एक और वार्ड में भी ऐसा ही गदर? गूंज सुनी थी सबने उसकी शहर के भीतर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि निगम की जनवरी वाली संभावित बैठक के बाद ही लगेगी 30 जून वाले सर्वसमत्ति के फैसले पर मोहर? जो सहमति लू के महीने में बनी थी सर्वसमत्ति अब वो होगी फाईनल जनवरी की भीषण सर्दी में? कहने वाले ने कहा कि जब नयी बैठक में पुराने प्रस्ताव पर होगी संस्तुति? तभी मानी जायेगी पुरानी बैठक भी कम्पलीट? समझ गये ना आप ये बात नहीं है गलत? है एकदम ठीक?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हाथ वाले तो आज ही बदल दें अपने ये पुराने फेस? मगर सुना है इन्ही लीडरों ने नहीं आने दिये हाथ वाले दल में कई युवा फेस? कहने वाले ने कहा कि महिला कांग्रेस से लेकर यूथ कांग्रेस तक दिखाओ हमें चार नये फेस? अगर कुनबा बढ़ाते ये लीडर तो आज यहां चुनावी रण में मुकाबले में खड़ी होती कांग्रेस?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि क्रय–विक्रय वाले सारस्वत जी का कितना लम्बा रहेगा अध्यक्ष वाला कार्यकाल? सुना है प्रदेश और क्षेत्र में परिवर्तन के दिखाई देंगे उनके सहकारिता सिंघासन पर भी इफैक्ट? वो हैं अपने कार्य में बहुत कुशल और बेस्ट? लेकिन ये राजनीति है और यहां कभी भी आवाज लग जाती है नेक्स्ट?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

इंदिरापुरम मंडल ने की एसआईआर की समीक्षा, नए मतदाता प्रपत्र भरने पर जोर

इंदिरापुरम मंडल में टीम कर रही तेज गति से कार्य : मंजुला गुप्ता

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के निर्देशानुसार इंदिरापुरम मंडल की एसआईआर स्थिति की समीक्षा बैठक इंदिरापुरम मंडल कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर मुख्य अतिथि थे, मंडल प्रभारी कामेश्वर त्यागी और मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता ने बैठक का नेतृत्व किया।

बैठक में मंडल पदाधिकारी और शक्ति केंद्र संयोजकों ने भाग लिया। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री देवाशीष दत्ता ने किया और मुख्य अतिथि ने प्रत्येक पदाधिकारी और शक्ति केंद्र संयोजक से रिपोर्ट ली। समापन से पहले, शिप्रा कृष्णा विस्टा से वरिष्ठ सदस्य सुशील कुमार सिन्हा को मुख्य अतिथि द्वारा एसआईआर और नए मतदाता प्रपत्र भरने में उनके योगदान और निरंतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया। बैठक में मंजुला गुप्ता ने कहा कि इंदिरापुरम मंडल में गति से फॉर्म 6 पर कार्य मंडल की टीम कर रही है कार्यकताओं का पूरा सहयोग मिल रहा है। इस बार फॉर्म 6 पर इंदिरापुरम में सबसे बेहतर कार्य होगा। इस मौके पर किसान मोर्चा के राष्ट्रीय सदस्य सलेक त्यागी ने कहा इंदिरापुरम में सभी वार्डों में बेहतर कार्य हो रहा है।

इस अवसर पर देवेंद्र गिरी, देवाशीष दत्ता, डॉक्टर जयश्री सिम्हा, अंकुर त्यागी, आकाश वर्मा, नवीन कुमार शर्मा, नरेश अरोड़ा, स्वाति चौहान, गायत्री पांडे, हेमंत मणि तिवारी, अजय गुप्ता, राहुल पंडित, शिवम त्यागी, राजीव कांत, आदित्य कश्यप, प्रीति वार्ष्णेय, नीता राय, विपिन वर्मा, मुनि पाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वसुंधरा मंडल में अटल चौक पर चलाया स्वच्छता अभियान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के निर्देशानुसार वसुंधरा मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी के नेतृत्व में अटल चौक पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर महामंत्री अमरेश चौधरी, पार्षद नरेश भाटी, पार्षद नीलम भारद्वाज, राजीव शर्मा, आशीष चौधरी, अशोक पांडे, एसके भरद्वाज सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वसुंधरा मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी ने कहा कि स्वच्छता अभियान के माध्यम से हम अपने क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और हम सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास करेंगे।
स्वच्छता अभियान में सम्मिलित होने वाले सभी कार्यकताओं का हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी ने कहा ने इस स्वच्छता अभियान के दौरन कहा सभी के सहयोग से अपने कार्यकाल में अटल चौक का भव्य सौन्दर्यकरण करवाना ही मेरा लक्ष्य रहेगा। मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी ने कहा, स्वच्छता अभियान के माध्यम से हम अपने क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने अटल चौक पर स्वच्छता अभियान चलाया, जिसमें हमारे कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और हम सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास करेंगे।

यह अभियान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में सफल रहेगा।